



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

पृष्ठ : 51

शिमला, शनिवार, 20 मार्च, 2004/30 फाल्गुन, 1925

संख्या : 51

### शुद्धि-पत्र

असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश दिनांक 1 जून, 2002/11 ज्येष्ठ, 1924 में लोक निर्माण विभाग की अधिसूचना संख्या पी० बी० डब्ल्यू०सी०ए० (3)-3/94-II, दिनांक 30 मई, 2002 के पृष्ठ 560 पर प्रकाशित :

10. भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों को प्रतिशतता। शब्दों के बजाए 10. भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली पद की प्रतिशतता। शब्द पढ़े जाएं।

तथा पृष्ठ 566 पर प्रकाशित :

10. Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods. शब्दों के बजाए 10. Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of posts to be filled in by various methods. शब्द पढ़े जाएं।

Sd/-  
Deputy Controller,  
Printing & Stationery Deptt., Shimla-5.

संख्या टी० सी० पी० (एफ) 5-19/  
2003, दिनांक 16 फरवरी, 2004

नगर एवं ग्राम योजना विभाग

बड़ोद्वेग विशेष क्षेत्र की संशोधित सीमाओं का निर्धारण इसके अंग्रेजी पाठ सहित।

संख्या (गृह) ए० (एफ०) (15)-  
2/94-II, दिनांक 4 मार्च, 2004.

गृह विभाग

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) दिनांक 28-7-2003 में जिला लाहौल-स्पिति में परिभाषित क्षेत्र में फायरिंग एवं आर्टिलरी अभ्यास करने की समय सारणी।

भाग-1 वैधानिक नियमों को छोड़कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

हिमाचल प्रदेश सरकार

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171002, the 28th February, 2004

No. EXN-B(2)-3/2003.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee the Governor of Himachal Pradesh is pleased to promote Shri Amar Lal Verma, Superintendent Grade-II to the post of Superintendent Grade-I (Class-I Gazetted) in the pay scale of Rs. 7220—11660 purely on *ad hoc* basis with immediate effect for the period of six months or till the regular promotion is made, whichever is earlier.

The above officer shall have no right to continue to remain on this post, claim seniority or regular promotion by virtue of this *ad hoc* promotion.

The Governor, Himachal Pradesh is further pleased to order the posting of Shri Amar Lal Verma, Superintendent Grade-II O/o AETC, Solan as Superintendent Grade-I against vacancy in the office of the Excise and Taxation Commissioner, H. P. (HQ) Shimla-171009.

This promotion will, however, be subject to the final outcome of the Writ Petition (Civil) No. 61/2002 titled M. Nagraj & Ors. V/s Union of India & Ors. and Writ Petition (Civil) No. 295/2002 titled Devi Ram Tanwar and Ors. V/s Union of India & Ors. in the Hon'ble Supreme Court of India.

or

Any other decision/orders taken/issued by the State Govt. on the subject from time to time.

By order,

Sd/-  
Principal Secretary.

गृह विभाग (सी अनुभाग)

अधिसूचना

जिमला-171002, 1 मार्च, 2004

सं० नू-ए (एफ) 10-2/91-II.—राज्य सरकार यह समीचीन समझती है कि कतिपय स्थानों में अत्राधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के लिए पूर्वावधानियां ली जानी चाहिए;

और भारत सरकार के गृह मन्त्रालय ने एस० ओ० 568 (ई) तारीख 24-9-1974 द्वारा, शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 की धारा 2 के खण्ड (8) के उप खण्ड (ग) और (घ) में विनिर्दिष्ट मामलों के सम्बन्ध में, केन्द्रीय सरकार के कृत्यों को हिमाचल प्रदेश सरकार को सौंपा है;

अतः हिमाचल प्रदेश सरकार, शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 की धारा 2 के खण्ड (8) के उप खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एन० द्वारा, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों हेतु, नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट स्थानों को, इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से, प्रतिषिद्ध स्थान घोषित करती है।

अनुसूची

स्थान का नाम

1

परिक्षेत्र और अन्य विवरण

2

- |  |   |
|--|---|
| 1. नेशनल हाईड्रोइलेक्ट्रिक बेरा स्थूल पावर प्रोजेक्ट सुरगानी का पावर | मोहल धार, तहसील सूलोनी, जिला चम्बा हिमाचल प्रदेश। |
|--|---|

1

2

हाऊस, वाल्व हाऊस और स्विच यार्ड सिवाए निम्न तीन रास्तों के:—

- (क) सुरगानी से धार;
- (ख) पुनियाडी और पावर हाऊस से सिंघा; और
- (ग) पुनियाडी से धार।

आदेश द्वारा,

अशोक ठाकुर,  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this Department notification No. HOM-A(F)-10-2/91-II, dated 1-3-2004 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## HOME DEPARTMENT (C Section)

### NOTIFICATION

Shimla-171002, the 1st March, 2004

No. HOM-A-F (10)-2/91-II.—Whereas the State Government considers it expedient that precautions should be taken to prevent the entry of unauthorised persons into certain places;

AND whereas Government of India, Ministry of Home Affairs vide S. O. 568 (E) dated 24-9-1974 has entrusted the functions of Central Government to the Government of Himachal Pradesh in relation to matters specified in sub-clause (c) and (d) of clause (8) of section 2 of the Official Secrets Act, 1923;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub clause (d) of clause (8) of section 2 of the Official Secrets Act, 1923 the Government of Himachal Pradesh hereby declare the places specified in column (1) of the schedule given below to be a prohibited place for the purposes of the said Act with effect from the date of publication of this notification in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

### SCHEDULE

Name of Place 1	Locality and other descriptions 2
1. Power House, Valve House and Switch Yard of Baira Siul National Hydroelectric Power Project Surangani except three paths:—	Mohal Dhar, Tehsil Sulooni, District Chamba, Himachal Pradesh.
(i) Surangani to Dhar;	
(ii) Punyadi and Power House to Singha; and	
(iii) Punyadi to Dhar.	

By order,

ASHOK THAKUR,  
Principal Secretary.

मिचार्ड एवं जन स्वास्थ्य विभाग

शिमला-2, 24 फरवरी, 2004

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 4 मार्च, 2004

संख्या सिचार्ड 11-7/2004-हमीरपुर.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामतः गांव दियोग, तहसील भोरन्ज, जिला हमीरपुर में पेयजल योजना नेरी चम्बोह स्टोरेज टैंक के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निदिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विस्तृत विवरणी

जिला : हमीरपुर		तहसील : भोरन्ज	
गांव	खसरा नं०	क्षेत्र	कनाल मरले
दियोग	447/1	0	10

शिमला-2, 24 फरवरी, 2004

संख्या सिचार्ड 11-95/2002-कांगड़ा.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामतः गांव कोसरी खास, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा में उठाऊ पेयजल योजना कोसरी-थाचरू चन्दरोण वाटर टैंक के निर्माण के लिए भूमि ली जानी अपेक्षित है, अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए घोषणा की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन समाहर्ता, भू-अर्जन, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, कांगड़ा को उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश देने का एतद्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि का रेखांक समाहर्ता, भू-अर्जन, लोक निर्माण विभाग, कांगड़ा हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

जिला : कांगड़ा		तहसील : जयसिंहपुर	
गांव	खसरा नं०	क्षेत्र	हैक्टेयरों में
कोसरी खास	61/1	0	00 96
	1262	0	02 90
किता . . . 2		0	03 86

संख्या सिचार्ड 11-132/2001-कांगड़ा.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामतः गांव बेनी, तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा में ट्यूबवैल के निर्माण के लिए भूमि ली जानी अपेक्षित है, अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए घोषणा की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन समाहर्ता, भू-अर्जन शाहनहर परियोजना फतेहपुर को उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश देने का एतद्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि का रेखांक समाहर्ता, भू-अर्जन शाहनहर परियोजना फतेहपुर के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

विस्तृत विवरणी

जिला : कांगड़ा		तहसील : फतेहपुर	
गांव	खसरा नं०	क्षेत्र	हैक्टेयरों में
बेनी	80/1	0	02 89
	106/1	0	00 28
किता . . . 2		0	03 27

शिमला-2, 9 मार्च, 2004

संख्या सिचार्ड 11-1/2004-कांगड़ा.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव करडयाणा, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा में पेयजल योजना चामुण्डा स्टोरेज टैंक के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निदिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हैं, या हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी द्विविध व्यक्ति, जिसे उक्त परिक्षेत्र में कृषि भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के 30 दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन साहूता, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के नमूने अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विस्तृत विवरणी

जिला : कांगड़ा		तहसील : धर्मशाला	
गांव	खसरा नं०	क्षेत्र	हैक्टेयरों में
करडयाणा	631/1	0	02 64
	630/1	0	00 46
किता . . . 2		0	03 10

यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न

विवरणों में निदिष्ट किया गया है, उपरोक्त\* प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित है या हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितवद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, मण्डी, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

\*गांव डडोह, तहसील सदर, जिला मण्डी में उठाऊ पेयजल योजना डडोह भ्यारटा के निर्माण हेतु।

संख्या सिचाई 11-91/2003-मण्डी

शिमला-2, 28 फरवरी, 2004.

#### विस्तृत विवरणों

जिला : मण्डी तहसील : सदर

गांव	खसरा नं०	क्षेत्र (बीघों में)
1	2	3
डडोह/238	686/603/1	0 01 05
	667/1	0 04 18
	670/1/1	0 00 18
कित्ता	3	0 07 01

\*गांव भ्यारटा, तहसील सदर, जिला मण्डी में उठाऊ पेयजल योजना भ्यारटा डडोह के निर्माण हेतु।

संख्या सिचाई 11-95/2003-मण्डी

शिमला-2, 28 फरवरी, 2004.

भ्यारटा/239	1059/1	0 02 02
-------------	--------	---------

शिमला-2, 16 फरवरी, 2004

संख्या सिचाई 11-87/2003-शिमला—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा मरकरी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव बथलावग, तहसील ठियोग, जिला शिमला में उठाऊ पेयजल योजना बडोग सरींग राईजिंग मेन के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करना अपेक्षित है। अतएव एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निदिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित है या हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितवद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में

भू-अर्जन समाहर्ता, शिमला, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

#### विस्तृत विवरणी

जिला : शिमला तहसील : ठियोग

गांव	खसरा नं०	क्षेत्र हेक्टेयरों में
1	2	3
बथलावग	155	0 15 22
	265	0 04 60
	257	0 06 17
	262	0 04 47
	160	0 10 58
	163	0 02 79
	258	0 02 96
	256	0 23 67
	162	0 00 88
	259	0 03 26
	160/1	0 04 48
	667	0 29 07
	543	0 08 19
	143	0 07 16
	144	0 06 35
	153	0 00 51
	154	0 05 85
	553	0 02 89
	554	0 00 64
	555	0 06 39
	151	0 05 19
	152	0 01 57
	542	0 02 69
	533	0 03 59
	80	0 04 79
	252	0 03 46
	534	0 04 93
	148	0 03 01
	149	0 01 12
	551	0 14 40
	612	0 17 76
	645	1 46 54
	550	0 03 46
	615	0 01 21
	616	0 11 96
	638	0 14 75
	639	0 01 58
	640	0 20 17
	641	0 01 68
	642	0 36 70
	552	0 03 46
	556	0 39 27
	557	0 00 85
	558	0 00 63
	644	0 47 17
	549	0 46 06
	643	0 13 16
	688	1 60 80
	689	0 02 08
	682	0 15 60
	604	0 65 31
	613	0 05 24
	596	0 31 17
	605	0 05 51
	606	0 03 65
	608	0 07 80
	609	0 13 72
	685	1 07 58
	684	0 04 80

1	2	3
	683	0 16 56
	610	0 12 16
	607	0 88 78
	161	0 09 50
	251	0 18 80
	255	0 02 02
	269	0 03 18
	614	0 25 59
	264	0 00 64
	541	0 10 40
	540	0 12 15
	147	0 08 05
	535	0 00 59
	539	0 08 79
	544	0 09 00
	253	0 07 60
	142	0 11 63
	158	0 07 49
	145	0 02 24
	156	0 01 66
	157	0 00 84
	150	0 05 24
	261	0 03 86
	611	0 20 82
	595	0 72 04
	668	0 06 46
	38	0 06 84
	39	0 18 85
	40	0 03 97
	42	0 07 65
	76	0 00 35
	77	0 01 53
	84	0 03 13
	97	0 00 52
	98	0 24 97
	100	0 09 90
	368	0 01 58
	369	0 07 76
	41	0 04 16
	74	0 03 50
	75	0 13 07
	78	0 01 53
	79	0 17 58
	83	0 02 12
	128	0 20 30
	370	0 17 34
	371	0 27 60
	130	0 01 51
	127	0 15 08
	132	0 06 69
	133	0 13 70
	131	0 03 03
	72	0 00 25
	73	0 00 46
	99	0 07 62
	46	0 00 96
	372	0 05 51
किता ..	116	16 35 70

यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामतः\* भूमि ली जानी अपेक्षित है। अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त\* प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए घोषणा की

जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन समाहर्ता भू-अर्जन, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, शिमला को उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश देने का एतद्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि का रेखांक, समाहर्ता भू-अर्जन, लोक निर्माण विभाग, शिमला हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

\*गांव देहू, तहसील व जिला सोलन में स्टोरेज टैंक के निर्माण के लिए।

संख्या सिचाई 11-113/2002-सोलन

शिमला-2, 24 फरवरी, 2004.

विस्तृत विवरणी

जिला : सोलन		तहसील : सोलन
गांव	खसरा नं०	क्षेत्र वर्ग मीटरों में
देहू	841/1	1143
	840	65
किता . .	2	1208

तहसील : कण्डाघाट

\*गांव डुमैहर, तहसील कण्डाघाट, जिला सोलन में पम्प हाऊस व भण्डारण टैंक के निर्माण के लिए।

संख्या सिचाई 11-32/2003-सोलन

शिमला-2, 24 फरवरी, 2004.

गांव	खसरा नं०	क्षेत्र वीधा विस्वा
डुमैहर	196/1	0 04

यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामतः\* भूमि ली जानी अपेक्षित है, अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त\* प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए घोषणा की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन समाहर्ता, भू-अर्जन हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, कांगड़ा को उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश देने का एतद्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि का रेखांक समाहर्ता भू-अर्जन, लोक निर्माण विभाग, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

\*गांव कोटला खुद, तहसील व जिला ऊना में पेयजल योजना रयैसरी झलेड़ा जल भण्डारण टैंक के निर्माण के लिए।

संख्या सिचाई 11-24/2003-ऊना

शिमला-2, 24 फरवरी, 2004.

विस्तृत विवरणी

जिला : ऊना		तहसील : ऊना
गांव	खसरा नं०	क्षेत्र हेक्टेयरों में
कोटला खुदं	53/1	0 01 00

\*गांव ऊना, तहसील व जिला ऊना में पेयजल योजना ऊना वाटर स्टोरेज टैंक के निर्माण के लिए।

संख्या सिवाई 11-124/2002-ऊना।

शिमला-2, 24 फरवरी, 2004.

गांव	खसरा नं०	क्षेत्र वर्ग मीटरों में
ऊना	2082	55 87
	2097	115 05
कित्ता	2	170 92

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

## LABOUR AND EMPLOYMENT DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th February, 2004

No. Shram (A) 7-1/2002.—In exercise of the powers vested in him under section 17 (1) of the Industrial Disputes Act, 1947, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the publication of awards in Rajptra announced by the Presiding Officer Labour Court of the following Cases:—

Sl. No.	Ref.	Particurs	Section	Remarks
1	2	3	4	5
1.	75/98, 1-1-2004	Shri Megh Singh & Others V/s State of Himachal Pradesh through Secretary (IPH) with Hqrs. at Shimla & Ors.	-10-	—
2.	182/98, 8-1-2004	Shri Joginder Singh & Ors. V/s State of Himachal Pradesh through Secretary (P.W.D) with Hqrs. at Shimla and others.	-10-	—
3.	68/99, 9-1-2004	Shri Prem Lal V/s S. E. H. P. P.W.D. 10th Circle, Bilaspur and others.	-10-	—
4.	155/2001	Shri Rakesh Pal & Ors. V/s Executive Engineer, Himachal Pradesh State Electricity Board, Saproon, Solan.	-10-	—
5.	253/2001	Shri Jogi Ram V/s D. F. O. Forest Division, Renukaji, District Sirmaur.	-10-	—
6.	14/2000	Shri Ram Dev V/s Chairman, Managing Committee, Golden Lior Ambala Cantt. & Ors.	-10-	—

1	2	3	4	5
7.	95/2000	Shri Bhagat Ram V/s Executive Engineer, Mechanical Division H. P. P. W. D. Shalli and others.	-10-	—
8.	154/2000, 9-1-2004	Shri Onkar Singh V/s Chairman Managing Committee, Gold Line Canteen Hqrs. P.H. & Himachal Pradesh (Independent) Sub Area, Ambala Cantt., and Ors.	-10-	—
9.	120/2000, 9-1-2003	Shri Shakti Chand V/s -do-	-10-	—
10.	121/2002	Shri Vidhi Chand V/s -do-	-10-	—
11.	127/2002	Shri Mansa Ram V/s -do-	-10-	—
12.	131/2002	Shri T. R. Nandyal V/s -do-	-10-	—
13.	159/2002	Shri Ganesh Kalia V/s -do-	-10-	—
14.	29/2003	Shri Nitya Nand V/s Managing Director, M/s Heear Filters, 61 Industrial Area, Badi, District Solan, Himachal Pradesh.	-10-	—

By order,

S. K. DASH,  
Pr. Secretary.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge,  
Himachal Pradesh Labour Court, Shimla

Ref. No. 75 of 1998  
Instituted on : 18-7-1998  
Decided on : 1-1-2004

1. Megh Singh s/o Shri Dasaundhi Ram
2. Raju Ram s/o Shri Udey Ram
3. Balbir Singh s/o Shri Bhoop Singh
4. Jeet Singh s/o Shri Hari Singh
5. Ram Kishan s/o Shri Gopi Chand
6. Sobha Ram s/o Shri Pirtu Ram
7. Pratap Singh s/o Shri Daisu Ram
8. Sant Ram s/o Shri Kanahaya Lal
9. Kumari Nirmala Devi d/o Shri Beli Ram

.. Petitioners.

Versus

1. The State of Himachal Pradesh through Secretary (IPH) with headquarter's at Shimla.
2. The Executive Engineer, I&PH Division, Paonta Sahib, District Sirmaur

.. Respondents.

Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947

For petitioners : S/Shri A. K. Gupta and L. S. Negi,  
Advocate

For respondents : Shri Kishan Chand Chauhan, A. R.

## AWARD

The present award arises out of the following reference received for adjudication from the appropriate Government.

"क्या श्री मेघ सिंह तथा अठ अन्य श्रमिकों/सूचि संलग्न को अघिशासी श्रमियन्ता, सिवाई एवं जन-स्वास्थ्य मण्डल, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर द्वारा दिनांक/सूचि संलग्न/से नौकरी से बिना नोटिस निकाला जाना उचित एवं न्यायसंगत है! यदि नहीं तो कथित श्रमिक किन सेवा लाभों एवं क्षतिपूर्ति के पात्र हैं।"

2. Petitioners No. 1 to 3 and 7 namely S/Shri Megh Singh, Raju Ram, Balbir Singh and Pratap Singh have filed a joint statement of claim. Similarly petitioners No. 5, 6, 8 and 9 namely S/Shri Ram Kishan, Sobha Ram, Sant Ram and Kumari Nirmala Devi have also filed a joint statement of claim. However, petitioners No. 4 Sh. Jeet Singh has filed a separate statement of claim.

3. In nut shell, the case of the petitioners is that they were in continuous service of the respondent(s) and had completed the requisite service of 240 days. However, even despite that they were retrenched by the respondent (s) in violation of Section 25-F of the Industrial Disputes in Act, 1947 (hereinafter referred to as the 'Act' According to them, neither any notice was served upon them nor they were paid retrenchment compensation. Violation of Sections 25-G and 25-H of the Act alleging non observation of the principles of 'first come last go' and 'preferential right of employment' is also pleaded. They pray for re-instatement in service along-with consequential benefits including back wages.

4. The respondent(s) has opposed the claim(s) by filing separate replies to the respective statement of claim. It is admitted *qua* petitioners No. 1 to 4 and 7 that though they had completed 240 days of service, yet it is denied that they were in continuous service. It is admitted *qua* the remaining petitioners that they had also completed service of 240 days in some of the years. It is denied that they were disengaged illegally and instead it is stated that they left the job on their own. It is further denied that there was violation of any provision of the 'Act'. The claim(s) is also opposed on the ground of limitation.

5. On the aforesaid pleadings, the following issues were framed :

1. Whether the termination of petitioners is illegal in view of Section 25-F of I. D. Act, 1947. If so, to what relief the petitioners are entitled to ?

2. Relief.

6. The parties have led evidence. I have heard their learned counsel/A. R. and gone through the record.

7. For the reasons to be recorded hereinafter, my findings on the aforesaid issues are as under.

## FINDINGS

Issue No. 1 : Partly Yes.

Relief : Reference answered in favour of the petitioners except petitioner No. 8 Shri Sant Ram.

## REASONS FOR FINDINGS

8. Issue No. 1.—A combined and harmonious reading of the pleadings and evidence led on behalf of the parties would go to show that all the petitioners except Petitioner No. 8 Shri Sant Ram are entitled for relief. The reasons to arrive at this conclusion at the very outset are remunerated hereinafter.

9. From the admissions made on behalf of respondent(s) in the replies to the statements of claim coupled with the detail of mandays put in by the petitioners as given by the respondent(s), themselves it is apparent that all the petitioners except petitioner No. 8 Shri Sant Ram had put in requisite service of 240 days during the relevant period for the purpose of Section 25-B of the 'Act' entitling them to the protection of section 25-F of the 'Act'. Petitioner No. 8 Shri Sant Ram does not fulfill this condition. However, admittedly, they were neither served with any notice nor were paid retrenchment compensation. No enquiry was held against them for the alleged willful absence. Thus, there was violation of section 25-F of the 'Act' and the plea of abandonment does not stand established.

10. These inferences are deducible from the testimony of RW-1 Shri Uma Nand Sharma. The issue is decided accordingly.

## RELIEF

11. In the result, the reference is partly answered in favour of Petitioners No. 1 to 7 and 9 namely Megh Singh, Raju Ram, Balbir Singh, Jeet Singh, Ram Kishan, Sobha Ram, Pratap Singh and Kumar. Nirmala Devi. Consequently whereas Petitioners No. 1 to 7 are held entitled for re-instatement in service of the respondent(s) as daily rated beldar w. e. f. the date of reference, that is, 17-7-1998 petitioner No. 9 Kumari Nirmala Devi shall stand re-instated as daily rated Meter Lodger Clerk from the same date, that is 17-7-1998. They shall also be entitled for continuity in service and seniority from the said date, that is, 17-7-98. However, keeping in view the facts and circumstances of the case and the delay in raising the dispute, they shall not be entitled for any back wages. The reference *qua* Petitioner No. 8 shall stand answered against him. Let a copy of this award be sent to appropriate Government for its publication in the official gazette.

Announced in the open court today the 1st Day of January, 2004.

Seal. V. K. SHARMA,  
Presiding Judge, H. P. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge, Himachal Pradesh Labour Court, Shimla

Ref. No. 182 to 1998

Instituted on : 11-9-1998

Decided on : 8-1-2004

1. Shri Joginder Singh s/o Sri Bahadur Singh.
2. Shri Rajinder Singh s/o Sri Pratap Singh.
3. Shri Rajinder Singh s/o Sri Jeewan Singh.
4. Shri Gurdial Singh s/o Sri Babu Ram.
5. Shri Balbir Singh s/o Sri Diwan Singh.
6. Shri Madan Singh s/o Sri Hirda Ram.
7. Shri Roop Singh s/o Sri Bhagi Ram

..Petitioner.

Versus

1. The State of Himachal Pradesh through Secretary (P. W. D.) with headquarter's at Shimla.
2. The Executive Engineer, H. P. P. W. D., Division, Paonta Sahib, District Sirmour

.. Respondents.

Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947

For petitioners : S/Sri A. K. Gupta and L. S. Negi, Advocate

For respondents : Shri Chander Shekhar, A. R.



## AWARD

The present award arises out of the following reference received for adjudication from the appropriate Government:

"श्री जोगिन्द्र सिंह तथा सात अन्य श्रमिकों/संलग्न सूची अनुसार/बतौर दैनिक वेतन भोगी बेलदार 240 दिनों से अधिक की सेवाएं करने उपरान्त नियोजक अधिशासी अभियन्ता हि 0 प्र 0 सार्वजनिक निर्माण विभाग/भवन एवं सड़क जिला सिरमौर, हि 0 प्र 0 द्वारा उक्त श्रमिकों की सेवाएं औद्योगिक विभाग अधिनियम, 1947 की धारा 25-एफ तथा 25 एच के प्रावधानों का अनुपालन किए बिना सूची अनुसार लिखि से समाप्त करना उचित एवं न्यायसंगत है, यदि नहीं तो उक्त श्रमिक किन सेवा लाभों व क्षतिपूर्ति के पात्र हैं।"

2. Petitioners No. 1 to 3 and 6 namely s/Shri Joginder Singh, Rajinder Singh s/o Shri Pratap Singh, Rajinder Singh s/o Shri Jeewan Singh and Madan Singh have filed a joint statement of claim. Similarly petitioners No. 4 and 7 namely S/Shri Gurdial Singh and Roop Singh have also filed a joint statement of claim. However, Petitioner No. 5 Balbir Singh has filed separate statement of claim.

3. In nut shell, the case of the petitioners is that they were in continuous service of the respondent (s) and had completed the requisite service of 240 days. However, even despite that they were retrenched by the respondent(s) in violation of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the 'Act'). According to them, neither any notice was served upon them nor they were paid retrenchment compensation. Violation of Sections 25-G and 25-H of the 'Act' alleging non observation of the principles of 'first come last go' and 'preferential right of employment' is also pleaded. They pray for re-instatement in service alongwith consequential benefits including back wages.

4. The respondent(s) has opposed the claim(s) by filing separate replies to the respective statements of claim. It is admitted *qua* petitioners No. 1 to 3, 5 and 6 that though they had completed 240 days of service, yet it is denied that they were in continuous service. It is denied *qua* the remaining petitioners that they had also completed the requisite service of 240 days. It is denied that they (the petitioner) were retrenched illegally and instead it is stated that they left the job on their own. It is further denied that there was violation of any provision of the 'Act'. The claim(s) is also opposed on the ground of estoppel and limitation.

5. On the aforesaid pleadings, the following issues were framed:

- Whether the termination of petitioners is in violation of Section 25-F of the I. D. Act and 25 H ? If so its effect ? ... OPP.
- Relief.

6. The parties have led evidence. I have heard their learned counsel/A. R. and gone through the record.

7. For the reasons to be recorded hereinafter, my findings on the aforesaid issues are as under:

## FINDINGS

Issue No. 1	Partly Yes.
Relief :	Reference answered in favour of the petitioners except petitioners No. 4 and 7.

## REASONS FOR FINDINGS

8. Issue No. 1.- A combined and harmonious reading of the pleadings and evidence led on behalf of the parties would go to show that all the petitioners except Petitioner No. 4 Shri Gurdial Singh and 7 Shri Roop Singh are

entitled for relief. The reasons to arrive at this conclusion at the very outset are remunerated hereinafter.

9. From the admissions made on behalf of the respondent(s) in the replies to the statements of claim coupled with the detail of mandays Ex. RW-1/A to Ex. RW-1/G, put in by the petitioners filed by the respondent(s) themselves, it is apparent that all the petitioners except petitioners No. 4 Gurdial Singh and Petitioner No. 7 Roop Singh had put in requisite service of 240 days during the relevant period for the purpose of Section 25-B of the 'Act' entitling them to the protection of section 25-F of the 'Act'. Petitioner No. 4 Gurdial Singh and petitioner No. 7 Roop Singh do not fulfill this condition. However, admittedly, they were neither served with any notice were paid retrenchment compensation. No enquiry was held against them for the alleged willful absence. Thus, there was violation of Section 25-F of the 'Act' and the plea of abandonment does not stand established.

10. These inferences are deducible from the testimony of RW-1 Shri A. K. Sharma. The issue is decided accordingly.

## RELIEF

11. In the result, the reference is partly answered in favour of Petitioners No. 1 to 3, 5 and 6 namely Joginder Singh, Rajinder Singh s/o Shri Pratap Singh, Joginder Singh s/o Shri Jeewan Singh, Balbir Singh and Madan Singh. Consequently Petitioners No. 1 to 3, 5 and 6 are held entitled for re-instatement in service of the respondent(s) as daily rated beldar w.e.f. the date of reference that is, 11-9-1998. They shall also be entitled for continuity in service and seniority from the said date, that is, 11-9-1998. However, keeping in view the facts and circumstances of the case and the delay in raising the dispute, they shall not be entitled to any back wages. The reference *qua* Petitioners No. 4 and 7 shall stand answered against them. Let a copy of this award be sent to appropriate government for its publication in the official gazette.

Announced in the open court today the 1st day of January, 2004.

Seal.

V. K. SHARMA,  
Presiding Judge,  
H.P. Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge, H.P. Labour Court, Shimla.

Ref. No. 68 of 1999  
Instituted on : 6-4-1999  
Decided on : 9-1-2004

Prem Lal s/o Shri Nathu Ram Village Khargal, P.O. Tanbol, District, Bilaspur, H.P. ... Petitioner.

## Versus

- The Superintending Engineer, HPPWD 10th Circle, Bilaspur.
- The Executive Engineer, HPPWD Division No. 2, Bilaspur, H.P.

... Respondents.

Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

For petitioner : Shri Sunder Singh, AR.

For respondents : Shri Lekh Ram, AR.

## AWARD

The present award arises out of the following reference received for adjudication from the appropriate Government :

"Whether the termination of services of Sh. Prem Lal daily wages, beldar by (1) Superintending



Engineer HPPWD 10th Circle, Bilaspur, District. Bilaspur, H.P. and (2) Executive Engineer, HPPWD Division No.-II, Bilaspur, District Bilaspur, H.P. w.e.f. 1-5-89 without any notice, chargesheet, enquiry and without compliance of Section 25(F) of the Industrial Disputes Act, 1947, on completion of 240 days of continuous service, is legal and justified. If not, to what relief of consequential service benefits including back wages, seniority and amount of compensation, Sh. Prem Lal is entitled?"

2. The petitioner has filed statement of claim, where in he has averred that he had joined the employment of Respondent No. 2 as daily paid worker on 1-3-1984 and had worked as such continuously upto 30-4-1989 when his services were terminated by the respondent w.e.f. 1-5-1989 by way of a verbal order. Though he was retrenched, persons junior to him were retained and fresh recruitment was also made by the department in 1995-96 and 1996-97. Names of the new recruits have been given in Para-3 of the statement of claim. According to the petitioner, he is an employed since he was retrenched. The respondents were served with demand notice. It is further pleaded by the petitioner that he had completed service of more than 240 days in each year. However, despite that his services were terminated without any notice and retrenchment compensation in violation of Sections 25-F, 25-G and 25-H of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the 'Act'). His service record was without any blemish. Neither he was served with any show cause notice or chargesheet nor any enquiry was held against him.

3. The claim is opposed on behalf of the respondent. Though the employment is admitted, yet it is stated that the petitioner was engaged on 2-4-1984 and not on 1-3-1984 as claimed by him. It is denied that he worked upto 30-4-1989 and instead it is stated that he had worked only upto 27-4-1989 when he left the job on his own. It is denied that any fresh recruitment has taken place. It is also denied that the petitioner had completed 240 days of service in each year. As he had left the job on his own, he was, not entitled for any notice/wages and compensation. It is denied that there was any violation of the provisions of the 'Act'. The claim is also opposed on the ground of limitation.

4. On the above pleadings, the following issues were framed :

1. Whether the services of the petitioner Sh. Prem Lal was terminated? ... OPP.
2. If issue No. 1 is proved whether the termination of Shri Prem Lal was unauthorized, as alleged? ... OPP.
3. Relief.

5. Both the parties have led evidence. I have heard their authorized representatives and gone through the record.

6. For the reasons to be recorded hereinafter, my findings on the above issues are as under :

#### FINDINGS :

- Issue No. 1: Yes.
- Issue No. 2: Yes.

Relief: Reference answered in favour of the petitioner *vide* operative part of the award.

#### REASONS FOR FINDINGS

7. Issue No. 1 & 2:—Both these issues being interconnected are taken up together for discussion and decision.

8. A combined and harmonious reading of the evidence led on behalf of the parties would go to show that the petitioner is entitled for relief. The reasons to arrive at this conclusion at the very outset are enumerated hereinafter.

9. The petitioner has entered the witness box as PW-1 and has tendered in evidence his affidavit EX. PA. He has been duly cross-examined on behalf of the respondent. The averments set up by the petitioner in the statement of claim stand incorporated in his affidavit EX. PA.

10. The respondents have examined two RWs namely RW-1 Shri K. K. Gupta, RW-2 Shri Bansi Lal. Month wise/year wise detail of working days put in by the petitioner has been brought on record on behalf of the respondent as Ex. R-1 (four leaves). It goes to show that the petitioner had completed service of more than 240 days in each year of service including during the period of twelve calendar months preceding the date to which calculation is to be made. Thus, he was, *prima facie*, entitled for the protection of Section 25-F of the 'Act'. The plea of abandonment set up on behalf of the respondents does not stand substantiated for want of any cogent evidence and lack of any enquiry for the alleged willful absence. Admittedly, the petitioner was neither served with any notice nor was paid retrenchment compensation. It being so, his retrenchment w.e.f. 1-5-1989 is violative of Section 25-F of the 'Act' entitling him to relief. The issues are decided according

#### RELIEF

11. In the result, the reference is answered in favour of the petitioner-workman. Consequently, he is held entitled for re-instatement in service of the respondent as daily rated beldar w.e.f. the date of reference, that is, 31-3-1999 alongwith continuity in service and seniority. However, keeping in view the facts and circumstances of the case and delay in raising the dispute, he shall not be entitled for any back wages. Let a copy of this award be sent to appropriate Government for publication in the official gazette.

Announced in the open court today the 9th day of January, 2004.

V. K. SHARMA.

Presiding Judge.

H.P. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Shimla (H.P.).

Seal.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge, H.P. Labour Court, Shimla

Ref. No. 155 of 2001  
Instituted on : 25-8-2001  
Decided on : 8-1-2004

1. Rakesh Pal s/o Shri Bhadur Singh.
2. Ganesh Dutt s/o Shri S'ta Ram.
3. Ramesh Kumar s/o Shri Man Singh.
4. Sanjay Kumar s/o Shri Man Singh

... Petitioners.

Versus

Executive Engineer, Himachal Pradesh State Electricity Board, Saproon, Solan, H.P. ... Respondent.

Petition under Section 33-C(2) of the Industrial Disputes Act, 1947.

For petitioner : Shri J. C. Bhardwaj, AR.  
For respondent : Respondent *ex parte*.

#### AWARD

The present award arises out of the following reference received for adjudication from the appropriate Government :

"Whether the termination of the services of Serve Sh. Rakesh Pal, Ganesh Dutt, Ramesh Kumar

and Sanjay Kumar workmen w. e. f. 06-9-1999 by the Executive Engineer, H.P. State Electricity Board division, saproon, D'st. Solan, H.P. without notice and compensation is legal and justified. If not, what relief of service benefits the above workmen are entitled to ?"

2. The petitioners have filed statement of claim. According to them, they joined the employment of the respondent as daily rated beldar on 26-10-1986, November, 1990, 22-9-1994 and 22-9-1994, respectively and continuously worked as such upto 6-9-1999 when their services were terminated illegally. Their requests for re-engagement did not bear any fruit. It is further pleaded by the petitioners that their service was continuous for the purposes of Section 25-B of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the 'Act') and termination is violative of Section 25-F 25-G and 25-H of the 'Act' and standing orders framed by HPSEB. According to the petitioners though they were retrenched, fresh recruitment has taken place. Their service record was without any blemish. They were neither served with any notice nor were paid retrenchment compensation.

3. On being served, the respondent was initially represented by Shri D. K. Sood, AR, who later on committed default in appearance and accordingly the respondent was proceeded against *ex parte vide* order dated 6-6-2002. When the matter was at the stage of filing statement of claim.

4. In *ex parte* evidence, petitioner No. 1 has appeared on behalf of petitioners as PW-1 and has stated on oath that he joined the employment of the respondent as daily wage beldar on 26-10-1986. He worked as such upto 6-9-1999. During this period he had completed 240 days of service in each year. According to him, co petitioners Ganesh Dutt, Rakesh Kumar and Sanjay Kumar were also working as daily wage beldar with him. They had joined about 2 years after his joining. They were also retrenched on 6-9-1999. They had also completed service of 240 days in each year. When the petitioners were retrenched neither any notice was served upon them nor they were paid retrenchment compensation. Though they were retrenched, fresh recruitment was made by the respondent. He does not remember the names of the freshly recruited persons. It is lastly stated by him that all the petitioners are unemployed since they were retrenched and are looking after their family fields. He prays for re-instatement in service along with consequential benefits including back wages.

5. It is apparent from the statement of the petitioner No. 1 Shri Rakesh Pal as PW-1 that all the petitioners were in continuous service of the respondent as envisaged under Section 25-B of the 'Act' and order 14 of the Certified Standing Orders framed by the H. P. S. E. B. entitling them to the protection of these provisions of law/rules. However, since they were neither served with the requisite notice nor were paid wages in lieu thereof and they were also not paid retrenchment compensation, the termination is bad in law entitling them to relief.

In view of the above, the reference is answered in favour of the petitioners. Consequently, they are held entitled for re-instatement in service of the respondent as daily rated beldar from the date of reference that is 14-8-2001 along with continuity in service and seniority. However, in the facts and circumstances of the case, they shall not be entitled for any back wages. A copy of this award sent to the appropriate Government for its publication in the official gazette.

Announced in the Open Court today, the 2nd Day of January, 2004.

Seal.

V. K. SHARMA,

Presiding Judge,

H. P. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Shimla.

In the Court of Sh. V.K. Sharma, Presiding Judge, H. P. Labour Court, Shimla

Ref. No. 253 of 2001  
Instituted on : 5-11-2001  
Decided on : 9-1-2004

Jogi Ram son of Shri Mohi Ram, Village Shirgoan, P. O. Shilla, Sub-Tehsil Kamrao, District Sirmour, Himachal Pradesh

Petitioner.

Versus

The Divisional Forest Officer, Forest Division, Renukaji, District Sirmour, Himachal Pradesh

Respondent.

Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

For petitioner : Shri Hem Raj, AR.

For respondent : Shri Lekh Ram AR.

### AWARD

The present award arises out of the following reference received for adjudication from the appropriate Government.

"Whether the termination of services of Shri Jogi Ram s/o Shri Mohi Ram by the Divisional Forest Officer, Renukaji Forest Division, Renukaji, District Sirmour, H. P. w. e. f. 1/8. Agust, 1999 without any notice, Chargesheet, enquiry and without complying the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947 is legal and justified ? If not, what relief of service benefits, backwages, seniority and amount of compensation the above workman is entitled to ?"

2. The petitioner has filed statement of claim, wherein it is averred that he had joined the employment of the respondent as daily rated labourer in July, 1980 in Rajgarh Division which is presently known as Renukaji Division. He worked as such continuously upto 30-8-1999 when he was retrenched w. e. f. 31-8-1999 on the ground of non availability of work. His requests for re-engagement did not bear fruit. Consequently he was compelled to serve demand notice dated 4-2-2000. However, the conciliation proceedings failed. According to the petitioner neither any notice was served upon him nor he was paid salary in lieu thereof. He was also not paid retrenchment compensation. No enquiry was held against him. Though he was retrenched, persons junior to him were retained and thereafter regularized. He prays for re-instatement in service alongwith consequential benefits including back wages etc.

3. On being served, the respondent initially put in appearance through its authorized representative Shri Amar Singh, who later on committed default in appearance leading to passing of *ex parte* order dated 1-11-2002 against the respondent.

4. The petitioner has entered the witness box-as PW-1 and has tendered his affidavit Ex. P-1 in *ex parte* evidence. The averments set up by him in the statement of claim have been reiterated in the affidavit on oath. Copy of demand notice dated 4-2-2000 and seniority list/mandays chart have also been annexed with the affidavit.

5. It is made out from the *ex parte* evidence led on behalf of the petitioner that he remained in continuous employment of the respondent as daily rated labourer from July, 1980 to 31-8-1999. The employment was continuous within the meaning of Section 25-B of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the 'Act'). Thus the petitioner was entitled for the protection of Section 25-F of the 'Act'. However, since neither any notice was served upon him nor he was paid retrenchment compensation, his retrenchment w. e. f. 31-8-1999 is violative of Section 25-F of the 'Act' entitling him for relief.

6. In view of the above, the reference is answered in favour of the petitioner *ex parte*. Consequently, he is held entitled for re-instatement in service of the respondent as daily rated labourer *w. e. f.* the date of retrenchment *i. e.* 31-8-1999 along with continuity in service and seniority. However, in the facts and circumstances of the case he shall not be entitled for any back wages. Let a copy of this award be sent to appropriate government for publication in the Official Gazette.

Announced in the open court today the 9th day of January, 2004.

Seal. V. K. SHARMA,  
Presiding Judge,  
Himachal Pradesh Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge,  
Himachal Pradesh Labour Court, Shimla

Reference No. : 14/2000

Shri Ram Dev v/s Chairman Managing Committee,  
Golden Lion P. H. & H. P. & (I) Sub area H. Q.  
P. H. & H. P. (I) Sub Area Ambala Cantt & others.

9-1-2004.

Present.—Shri J. C. Bhardwaj AR for the pet. Shri C. L. Sharma, Advocate Ld. for Respondent No. 1 Mrs. Veena Sood Advocate Vice Cl. Shri Rahul Mahajan Adv. Ld. Cl. for Respondents 2 to 4.

The case is fixed for today for arguments. However in view of preliminary objections regarding jurisdiction arisen on behalf of the respondents, the reference is disposed of with liberty to the petitioner to seek his remedy, if any, on the same cause of action in the appropriate forum by way of appropriate proceedings in accordance with law, if so advised. Let a copy of this order be sent to the appropriate Government for publication in the official Gazette. The file be consigned.

“Announced”.

Seal. V. K. SHARMA,  
Presiding Judge.  
H. P. Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge,  
Himachal Pradesh Labour Court, Shimla

Ref. No. 95 of 2000  
Instituted on : 10-8-2000  
Decided on : 9-1-2004

Shri Bhagat Ram s/o Shri Nathu Ram, through  
President Him Shakti P. W. D. Karamchhari Sangh  
(B. M. S.) Bhatta Kuffar, Shimla-6.

Petitioner.

Versus

1. Executive Engineer Mechanical Division, H. P. P. W. D., Dhalli, Shimla-12.
2. The Superintending Engineer, H. P. P. W. D., Mechanical Circle Dhalli, Shimla-12

Respondents.

Reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947

For petitioner: Shri J. L. Sharma, Advocate.

For respondents: *ex-parte*.

#### AWARD

The present award arises out of the following reference received for adjudication from the appropriate Government :

“Whether the demand raised by the Pradhan, Him Shakti P. W. D Karamchhari Sangh *vide* demand

notice dated 25-8-1998 for regularization of Shri, Bhagat Ram, *ex-worker* as Complaint Attendant *w. e. f.* 1-1-1997 from the Executive Engineer, Mechanical Division, H.P.P.W.D. Dhalli, Shimla-171002 by serving in different capacities on daily wages for 10 years and further his demand for quashing the order of the employer, dated 10-3-1998 is legal and justified. If yes, to what relief of service benefits and amount of compensation, Shri Bhagat Ram is entitled ?”

2. The petitioner has filed statement of claim where in it is averred that he was engaged by Respondent No. 1 on daily wage basis in the Office on 2-3-1987 and since his engagement, he is discharging the duties as Office Clerk/Complaint Attendant. However, he has been designated as Helper/Store Attendant. According to the petitioner, his service record is without any blemish and he has been discharging his duties sincerely, honestly and to the entire satisfaction of his superiors. He fulfilled the essential qualifications prescribed for the post of office Clerk/Complaint Attendant since inception. Though he is being made to work as Office Clerk/Complaint Attendant, he is being paid wages of Helper even despite the fact that the respondent have constituted a departmental committee for designating workers working against the particular post and the said committee had also recommended his name for being designated as Complaint Attendant in the year, 1993 keeping in view, his past performance and experience as Office Clerk/ Complaint Attendant. He claims wages of office clerk/complaint attendant since his initial engagement on the principal of equal pay for equal work along with arrears of difference of wages as Helper *vis a vis* Office Clerk/Complaint Attendant along with interest @ 18% per annum.

3. It is further averred by the petitioner that the respondents have regularized his service as beldar which according to him is totally contrary to the factual position according to which, he is entitled for regularization as Office Clerk/Complaint attendant.

4. The claim is opposed on behalf of the respondents. It is stated that the petitioner was initially engaged as daily wage Helper on muster roll on 2-3-1987 and he continued working as Helper/Semi-skilled Helper/Store Attendant/Complaint Attendant upto December, 1996 as per following details:

1. 2-3-1987 to 3/92 as daily waged Helper.
2. 4/92 to 2/94 as daily wages Semi skilled Helper.
3. 3/94 as daily waged Store attendant.
4. 4/94 to 9/95 as daily waged Semi skilled Helper.
5. 10/95 to 12/96 as daily waged Complaint Clerk.”

5. It is denied that either the petitioner was assigned the job of Office Clerk or worked as such. It is stated that there is no post ‘Office Clerk’ in the department. A regularly appointed Sub-Divisional Clerks (Sr. Assistant) stood posted. It is denied that the Departmental Committee recommended to designate the petitioner a Complaint Attendant. In fact, he was recommended to be designated as Store Attendant/Store Helper. It is also denied that the petitioner is either entitled for wages of Office Clerk/Complaint Attendant or to be regularized such and more so, when the claim has been raised after a gap of more than 10 years and after regularization as work charged beldar. The claim is also opposed on the ground of estoppel.

6. Owing to default in appearance, the respondents were proceeded against *ex-parte vide* order dated 20-8-2001 when the case was fixed for rejoinder and issues.

7. The petitioner has led *ex-parte* evidence. He has entered the witness box as PW-1 and has also tendered in evidence documents Ex. P.A. to Ex. P. G. It is apparent from Office order dated 31-12-1987 Ex. P. A. that the petitioner was working as Clerk in Steel Bridges Construction Sub-Division, H. P. P. W. D. Dhalli, Shimla-12. He was recommended to be designate as Complaint

Attendant vide letter Ex. PB dated 5-7-1993 regarding 'Rationalization of workers' wherein his name figures at Sl. No. 16. Similarly, seniority list of daily wage workers Ex. P.C. dated 17-2-1994 would go to show that the petitioner whose name finds mention at Sl. No. 15 of the list was performing duties of clerical nature. It is made out from letters Ex. PD and Ex. PE, office order Ex. PF and experience certificate Ex. PG that the petitioner was deployed as Complaint Attendant.

8. The above evidence would unmistakably go to show that petitioner had been discharging duties as Clerk/Complaint Attendant since the time of his initial engagement on 2-3-1987. Even the respondents have admitted vide Para-1 of their reply that the petitioner worked as Complaint Clerk from October 1995 to December, 1996. It is also borne out of record that the petitioner has passed B. A. II examination in 1991, thus he is qualified to hold a clerical post.

9. The above evidence remains absolutely un rebutted.

10. In view of the above, it shall not be unsafe to hold that the petitioner has been able to make out a case for regularization of his services as Clerk/Complaint Attendant instead of work-charged beldar, the post against which he stands already regularised. However, his claim for payment of wages on the principle of 'equal pay for equal work' is not legally tenable for the reasons that on the one hand, he had already been issued muster roll of Complaint Attendant w. e. f. 1-10-1995 as is apparent from office order Ex. PF dated 29-9-1995 and on the other, the claim also suffers from delay and laches. Above all, this part of the claim is also beyond the scope of present reference and it is settled that this Court cannot go beyond the terms of reference.

11. In the result, the reference is partly answered in favour of the petitioner. Consequently, he is held entitled for regularization in service of the respondents as Clerk/Complaint Attendant instead of work charged beldar, the post against which he stands already regularized w. e. f. the date his services were regularized as work-charged beldar along with continuity in service and seniority. However, for the reasons already stated hereinabove, he shall not be entitled for any arrears on account of difference of wages. Let a copy of this award be sent to appropriate government for publication in the official gazette.

Announced in the open Court today the 9th day of January, 2004.

Seal.

Sd/-  
(V. K. SHARMA),  
Presiding Judge,  
H. P. Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma Presiding Judge,  
Himachal Pradesh Labour Court, Shimla

Reference No. 154/2000

Shri Onkar Singh V/s Chairman, Managing Committee Gold line Canteen Headquarter (P. H. & H. P.) Independent Sub Area, Ambala Cantt. and others.

9-1-2004.

Present:—Shri J. C. Bhardwaj, AR for petitioner.  
Shri C. L. Sharma Adv. Ld. Cl. for Respondent No. 1.  
Shri Baldev Singh, ADCGSC for Respondents No. 2 to 4.

The case is fixed for today for issues. However in view of preliminary objections regarding jurisdiction raised on behalf of the respondents the reference is disposed of with liberty to the petitioner to seek his remedy, if any, on the same cause of action in the appropriate forum by way of appropriate proceedings

in accordance with law, if so advised. Let a copy of this order be sent to the appropriate Government for publication in the Official Gazette. The file be consigned.

Announced.

Seal.

Sd/-  
(V. K. SHARMA),  
Presiding Judge,  
H.P. Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge, H. P. Labour Court, Shimla

Reference No. 120/2002

Shri Shakati Chand V/s Chairman, Managing Committee Gold line, Canteen Headquarter P. H. & H. P. Independent Sub Area Ambala Cantt and others.

9-1-2004.

Present:—Shri J. C. Bhardwaj, AR for petitioner.  
Shri C. L. Sharma Adv. Ld. Cl. for Respondent No. 1.  
Shri Baldev Singh, ADCGSC, for Respondents No. 2 to 4.

The case is fixed for today for issues. However in view of preliminary objections regarding jurisdiction raised on behalf of the respondents, the reference is disposed of with liberty to the petitioner to seek his remedy if any, on the same cause of action in the appropriate forum by way of appropriate proceedings in accordance with Law, if so advised. Let a copy of this order be sent to the appropriate Government for publication in the Official Gazette. The file be consigned.

Announced.

Seal.

Sd/-  
(V. K. SHARMA),  
Presiding Judge,  
H.P. Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge, H. P. Labour Court, Shimla

Ref. 121/2002

Shri Vidhi Chand

Versus

Chairman, Managing Committee Gold Line Canteen Headquarter P. H. & H. P. (Independent) Sub Area, Ambala Cantt. & others.

9-1-2004.

Present:—Sh. J. C. Bhardwaj, AR for the petitioner.  
Sh. C. L. Sharma, Adv. Ld. Cl. for Respondent No. 1.  
Sh. Baldev Singh, ADCGSC for Respdts. No. 2 to 4.

The case is fixed for today for evidence on behalf of the respondents. However, in view of preliminary objection regarding jurisdiction raised on behalf of the respondents, the reference is disposed of with liberty to the petitioner to seek his remedy, if any, on the same cause of action in the appropriate forum by way of appropriate proceedings in accordance with Law, if so advised. Let a copy of this award be sent to the appropriate Government for publication in the Official Gazette. The file be consigned.

Announced.

Seal.

Sd/-  
(V. K. SHARMA),  
Presiding Judge,  
H.P. Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge,  
H. P. Labour Court, Shimla.

Ref. 127/2002  
Sh. Mansa Ram  
*Versus*

Chairman, Managing Committee, Goldline Canteen  
Headquarter PH&HP (Independent) Sub Area, Ambala  
Cantt. & Others.

9-1-2004.

**Present:**—Sh. J. C. Bhardwaj, AR for petitioner.  
Sh. C.L. Sharma, Adv. Ld. Cl. for Respdt.  
No. 1.  
Sh. Baldev Singh, ADCGSC for Respdts.  
No. 2 to 4.

The case is fixed for today for issues. However in view of preliminary objections regarding jurisdiction raised on behalf of the respondents, the reference is disposed of with liberty to the petitioner to seek his remedy if any, on the same cause of action in the appropriate forum by way of appropriate proceedings in accordance with Law, if so advised. Let a copy of this order be sent to the appropriate Government for publication in the Official Gazette. The file be consigned.

Announced. Sd/-  
Seal. (V. K. SHARMA),  
Presiding Judge,  
H. P. Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge,  
H. P. Labour Court, Shimla

Ref. 131/2002  
Shri T. R. Mandyal  
*Versus*

Managing Committee, Goldline Canteen Headquarter  
PH&HP (Independent) Sub Area, Ambala Cantt. & Others.

9-1-2004.

**Present:**—Sh. J. C. Bhardwaj, AR for petitioner.  
Sh. C. L. Sharma, Adv. Ld. Cl. for Respdt.  
No. 1.  
Sh. Baldev Singh, ADCGSC for Respdts. No.  
2 to 4.

The case is fixed for today for issues. However in view of preliminary objections regarding jurisdiction raised on behalf of the respondents, the reference is disposed of with liberty to the petitioner to seek his remedy, if any, on the same cause of action in the appropriate forum by way of appropriate proceedings in accordance with Law, if so advised. Let a copy of this order be sent to the appropriate Government for publication in the Official Gazette. The file be consigned.

Announced. Sd/-  
Seal. (V. K. SHARMA),  
Presiding Judge,  
H. P. Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge  
H. P. Labour Court, Shimla

Ref. 159/2002

Shri Ganesh Kalia & Others

*Versus*

Chairman, Managing Committee, Goldline Canteen  
Headquarter PH&HP (Independent) Sub-Area Ambala,  
Cantt. & Others.

9-1-2004.

**Present:**—Sh. J. C. Bhardwaj, AR for petitioner.  
Sh. C.L. Sharma, Adv. Ld. Cl. for Respdt. No. 1  
Sh. Baldev Singh, ADCGSC for Respdts.  
No. 2 to 4.

The case is fixed for today for issues. However in view of preliminary objections regarding jurisdiction raised on behalf of the respondents, the reference is disposed of with liberty to the petitioner to seek his remedy, if any, on the same cause of action in the appropriate forum by way of appropriate proceedings in accordance with Law, if so advised. Let a copy of this order be sent to the appropriate Government for publication in the Official Gazette. The file be consigned.

Announced. Sd/-  
Seal. (V. K. SHARMA),  
Presiding Judge,  
H. P. Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Sharma, Presiding Judge,  
H. P. Labour Court, Shimla

Ref. No. 29/2003

Shri Nityanand

*Versus*

Managing Director, M/s Heera Filters, 61-Industrial  
Area Baddi, District Solan, (H. P.).

2-1-2004.

**Present:** None for the petitioner.  
Shri Sandeep Mahajan, Adv. Ld. Cl. for the  
respondent.

Notice issued to the petitioner on the address mentioned in the reference has been received back with the report that he has left the employment of the factory for the last one year and that the notice was affixed at the factory premises. In such circumstances the Petitioner has not been served properly. His permanent home address has not been given in the reference. In such circumstances the reference is ordered to be returned to the appropriate Govt. with a direction to resubmit the same alongwith latest correct address of the petitioner. In so far as this court is concerned the present reference shall standby disposed of. It be consigned.

Announced. Sd/-  
Seal. (V. K. SHARMA),  
Presiding Judge,  
H.P. Industrial Tribunal-cum-  
Labour Court, Shimla.

बहुदेशीय परियोजनाएं एवं विद्युत विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 5 मार्च, 2004

संख्या विद्युत-उ (5) 18/2003.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि नैशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन, जो कि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी0 सी0) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है, के द्वारा अपने व्यय पर मार्चजनिक प्रयाजन नामक: गुजाल हमयन, सहसीर सदर, जिला बिलासपुर में कोल बांध परियोजना के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद्द्वारा यह प्रधसूचित किया जाता है कि उक्त परिसर में जैसा कि निम्न विवरणों में निदिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

समाहर्ता, हि० प्र० राज्य विद्युत बोर्ड मण्डी, जिला मण्डो, हि० प्र०  
के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरण  
जिला : मण्डी तहसील : भडोल

गांव	समस्या नं०	रकबा (तीर्थों में)
1	2	3

चक्रोड़ ( 158 )	742	0	01	16
	744	0	00	16

950/766	0	02	11
770	0	08	14
774	0	01	10

774	0	01	19
741	0	02	15
743	0	01	07

765	0	01	00
775	0	05	00
952/768	0	16	16

952/768	0	16	16
767	0	01	02
772	0	02	05

773	0	01	18
769	0	03	03
771	0	06	00

771	0	06	03
776	0	03	18
<hr/>			

किता . . 16                      3 01 03

---

चक्राहण (159)	16	0	03	03
	17	0	12	09
	18	0	04	19

22	0	01 <sup>7</sup>	18
23	0	00	18

24	0	01	02
25	0	00	09
26	0	00	10

27	0	01	00
28	0	01	06

29	0	02	02
30	0	01	07
31	0	01	00

32	0 01 10
83	0 00 16

84	0 06 14
95	0 00 08
87	0 02 10

89	0	01	04
90	0	07	19

91	0	15	06
94	0	05	10
96	0	10	17

97	0	00	08
98	0	06	07

99	0 05 19
100	0 07 09
101	0 01 00

103	0	07	16
106	1	05	03

107	0	08	04
108	1	03	04
111/1	1	00	04

112/1	0	02	15
120/1	0	07	08

121	0	10	01
123/1	0	02	14
141/1	0	06	01

142/1                      0    10    11



1	2	3
	143	0 00 17
	145	3 03 15
	158	0 03 13
	159/1	0 13 00
	162/1	0 08 13
किता ..	44	15 13 19

खदर (161)	4010	0 10 01
	4011	0 06 05
	4012	0 16 08
	4013	0 12 03
	4014	0 03 18
	4015	0 01 09
	4016	0 01 15
	4017	0 03 02
	4019	0 04 19
	4020	0 02 18
	4021	0 01 03
	4022	0 01 19
	4023	0 00 14
	4024	0 01 14
	4025	0 05 17
	4026	0 09 07
	4027	0 01 04
	4028	0 03 11

किता .. 18 4 08 07

मंगड़ोज	81	0 03 02
	82	0 03 15
	86	0 03 00
	86/1	0 09 16
	87	0 06 16
	87/1	0 01 19
	88	0 09 14
	88/1	0 05 02
किता ..	8	2 03 04
कुल किता ..	86	25 06 13

शिमला-2, 4 मार्च, 2004

संख्या विद्युत-छ(5) 2/2004-यत: हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत

आवेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

**भाग-2—वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि**

कार्यालय उपायुक्त, बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

अधिसूचना

बिलासपुर, 4 मार्च, 2004

संख्या बी0 एल0 पी0-पंच-6-16/79-II-937-53.—उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2) तथा (4) के अन्तर्गत निहित हैं, मैं, सुभाशीष पांडा (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त, बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश इस जिला के विकास खण्ड झण्डूता की सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के सक्षम पदाधिकारियों के विभिन्न कारणों से दिये गये त्याग-पत्रों तथा मृत्यु के फलस्वरूप रिक्त हुए पदों को तुरन्त प्रभाव से रिक्त घोषित करता हूँ :—

अनुसूचि

क्रम संख्या	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	वार्ड का नाम/पदनाम	पदाधिकारी का नाम व पूरा पता	रिक्ती का कारण
1	2	3	4	5	6
1.	झण्डूता	बड़गांव(गलू)	उप-प्रधान	श्री जोगेन्द्र लाल, ग्राम पंचायत बड़गांव(गलू), विकास खण्ड झण्डूता, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।	त्याग-पत्र

1	2	3	4	5	6
2.	अण्डुता	डुडियां	वार्ड पंच वार्ड नं०-1, टिहरी।	श्रीमती कौशल्या देवी, वार्ड नं०-1, टिहरी, ग्राम पंचायत डुडियां, विकास खण्ड अण्डुता, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र।
3.	-यथो-	अमरपुर	वार्ड पंच वार्ड नं०-6.	श्री विजय कुमार, वार्ड पंच, वार्ड नं० 6, ग्राम पंचायत अमरपुर, विकास खण्ड अण्डुता, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।	त्याग-पत्र
4.	-यथो-	दसलेहड़ा	उप-प्रधान	श्री देवी सरन, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत दसलेहड़ा, विकास खण्ड अण्डुता, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।	मृत्यु के कारण

सुभाषीश पांडा,  
उपायुक्त,  
बिलासपुर, जिला बिलासपुर (हि० प्र०)।

कार्यालय उपायुक्त, चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

चम्बा-176310, 9 मार्च, 2004

संख्या पी० सी० एच० सी० बी० ए० (29) 1/2003-04-1390.—  
चूंकि खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड तीसा के कार्यालय  
पत्र संख्या-3881, दिनांक 23-2-2004 द्वारा प्राप्त जांच रिपोर्ट  
में पाया गया कि श्री ज्ञान चन्द, उप-प्रधान, देस राज, भाग देई  
व नारो देवी, सदस्य, ग्राम पंचायत लेंसूई ने ग्राम पंचायत की  
बैठकों में अवधि 25-2-2002 से 10-12-2003 तक कुल 38  
बैठकों में भाग नहीं लिया, जिस कारण पंचायत के कार्यों में बाधा  
उत्पन्न हुई है।

जैसा कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की  
धारा-131(1)(ख) में प्रावधान है।

“पंचायत या इसकी समितियों की लगातार तीन बैठकों से  
अनुपस्थित रहता है या पंचायत की स्वीकृति के बिना छः मास  
की कालावधि के दौरान की गई बैठकों की आधी संख्या में  
उपस्थित नहीं होता है,

अतः आपको इस कारण बताओ नोटिस द्वारा सूचित किया  
जाता है कि आप अपना स्पष्टीकरण 15 दिनों के भीतर-भीतर इस  
कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा यह समझा जायेगा कि उन्हें उक्त  
विषय के बारे में कुछ नहीं कहना है, तथा उनके विरुद्ध हिमाचल  
प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा-131(1)(ख)  
की उप-धारा-2 के अन्तर्गत कार्यवाही करने पर बाध्य होना  
पड़ेगा। जिसका उत्तरदायित्व स्वयं उनका होगा।

हस्ताक्षरित/-

उपायुक्त,  
चम्बा, जिला चम्बा (हि० प्र०)।

Whereas Shri Rajesh Puri s/o Shri Om Parkash Puri,  
r/o Kotwali Bazar, Dharamshala Tehsil Dharamshala  
H. P. has applied for the cancellation of its registration  
along with original Registration Certificate.

Now, therefore, I, Gian Singh Thakur, H.P.A.S.,  
District Tourism Development Officer, Kangra at  
McLeodganj (Upper Dharamshala), Prescribed Authority  
under the above Act, in exercise of the powers vested  
in me under section 13(d) of the H. P. Registration  
of Tourist Trade Act, 1988, hereby remove the name  
of the above name hotel from the register and cancel  
its certificate of registration with immediate effect.

GIAN SINGH THAKUR,  
(Prescribed Authority),  
District Tourism Development Officer,  
Kangra at McLeodganj (H. P.).

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला  
हिमाचल प्रदेश

शुद्धि-पत्र

धर्मशाला, 28 फरवरी, 2004

संख्या पंच-के० जी० आर०-ई० (4) 52/911167-71.—इस  
कार्यालय के कार्यालय आदेश संख्या पंच-के० जी० आर०-ई० (4) 52/  
91-331-35, दिनांक 21 जनवरी, 2004 के अनुक्रम में अन्तिम  
पैरा में दुरुपयोग के स्थान पर प्रयोग शब्द पढ़ा जाये।

हस्ताक्षरित/-  
जिला पंचायत अधिकारी,  
कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि० प्र०)।

कार्यालय सहायक पजीयक सहकारी सभाएँ, किन्नोर

कार्यालय आदेश

किन्नोर, 28 फरवरी, 2004

## TOURISM AND CIVIL AVIATION DEPARTMENT

### ORDER

McLeodganj, the 21st February, 2004

No. 4-9-TD-DMA-1816.—Whereas Adhunik Guest  
House, K. B. Dharamshala is registered in the  
name of Shri Rajesh Puri s/c Shri Om Parkash Puri,  
r/o Dharamshala, Tehsil Dharamshala, District Kangra  
(H.P.) vide this office order No. 4-9-TD-DMA-701 dated  
6-4-1996 under the H. P. Registration of Tourist Trade,  
Act, 1988 and Rules framed thereunder.

क्रमांक कूप० किन०/347.—जैसा कि इस कार्यालय के आदेश  
संख्या कूप० किन०-5-05/946-50 दिनांक 9-4-1996 द्वारा निरीक्षक  
सहकारी सभाएँ विकास खण्ड निचार को दि वांगर भावा बिक्री  
एवं उत्पादन सहकारी सभा सी० हुरी का विघटक नियुक्त किया  
गया था, विघटक ने अपने कार्यालय पत्र संख्या 23 दिनांक  
9-1-2004 द्वारा सभी परिस्थितियों के मध्यनजर निरीक्षक सहकारी  
सभाएँ टापरी को दि वांगर भावा बिक्री एवं उत्पादन सहकारी  
सभा सी० हुरी का विघटक नियुक्त करने हेतु अनुरोध किया है।

अतः उपरोक्त तथ्य के मध्यनजर, मैं, प्रेम लाल, सहायक पंजीयक सहकारी सभाएँ किन्नौर, हिमाचल प्रदेश सहकारी सभाएँ अधिनियम 1960 (एक्ट नं 0 3 आर 1969) की धारा 78 के अन्तर्गत पंजीयक सहकारी सभाएँ, हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिसे हिमाचल प्रदेश सहकारी सभाएँ नियम, 1971 के नियम संख्या 104 के साथ पढ़ा जाता है के अन्तर्गत दि वांगर भावा बिक्री एवं उत्पादन सहकारी सभा सी० हुरी विष्टनाधीन है मैं उक्त अधिनियम की धारा 79 (1) के अन्तर्गत श्री रूप सिंह निरीक्षक, सहकारी सभाएँ टापरी को उक्त सहकारी सभा का विष्टक नियुक्त करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि वह उक्त सभा की विष्टक कार्यवाही 2 वर्षों में पूर्ण कर रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को प्रेषित करें।

किन्नौर, 28 फरवरी, 2004

संख्या कूप/352 — जैसा कि इस कार्यालय के आदेश संख्या कूप किन/296-300 दिनांक 30-1-2003 द्वारा निर्देशक सहकारी सभाएँ, विकास खण्ड निचार को दि विष्णु नारायण बुनकर उत्पादन एवं बिक्री श्री० सहकारी सभा सी० चगांव का विष्टक नियुक्त किया गया था, विष्टक ने अपने कार्यालय पत्र संख्या 23 दिनांक 9-1-2004 द्वारा सभा परिस्थितियों के मध्यनजर निरीक्षक सहकारी सभाएँ टापरी को दि विष्णु नारायण बुनकर उत्पादन एवं बिक्री श्री० सहकारी सभा सी०, चगांव का विष्टक नियुक्त करने हेतु अनुरोध किया है।

अतः उपरोक्त तथ्य के मध्यनजर, मैं, प्रेम लाल, सहायक पंजीयक, सहकारी सभाएँ किन्नौर, हिमाचल प्रदेश सहकारी सभाएँ अधिनियम, 1968 (एक्ट नं 0 3 आर 1969) की धारा 78 के अन्तर्गत पंजीयक सहकारी सभाएँ, हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिसे हिमाचल प्रदेश सहकारी सभाएँ नियम, 1971 के नियम संख्या 104 के साथ पढ़ा जाता है के अन्तर्गत दि विष्णु नारायण बुनकर उत्पादन एवं बिक्री श्री० सहकारी सभा सी०, चगांव विष्टनाधीन है मैं उक्त अधिनियम की धारा 79 (1) के अन्तर्गत श्री रूप सिंह, निरीक्षक, सहकारी सभाएँ टापरी को उक्त सहकारी सभा का विष्टक नियुक्त करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि वह उक्त सभा की विष्टक कार्यवाही 2 वर्षों में पूर्ण कर रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को प्रेषित करें।

प्रेम लाल  
सहायक पंजीयक,  
सहकारी सभाएँ किन्नौर,  
हिमाचल प्रदेश।

## H. P. STATE CONSUMER DISPUTES REDRESSAL COMMISSION, SHIMLA-9

### OFFICE ORDER

Shimla-9, the 26th February, 2004

No. HP/CPC/PF/48/91-237-246.—Whereas Shri Surinder Kumar, Superintendent Grade-I, State Consumer Commission was deputed to State Consumer Commission, who was working in the Himachal Pradesh State Civil Supplies Corporation as Senior Assistant on deputation basis was sent on secondment basis vide Office Order No. HPSCSC/ADMN/3-9/90-IV-18770-75 dated 8-8-1994, and was directed to work in Accounts Section of State Commission, originally an employee of the Directorate of Food and Supplies, Himachal Pradesh. During the period of secondment, Mr. Surinder Kumar was promoted by the Director Food and Supplies, Himachal Pradesh as Superintendent Grade II, in his parent Department vide order No. FDSH(B)-2-2/76-8/32866-81 dated 7-11-1994.

Whereas, the State Government created 3 posts of Superintendent Grade II and one post of Superintendent Grade I in the State Consumer Commission respectively vide letter dated 1-3-1995 and method of filling up of these posts was conveyed by the State Government vide letter dated 17-4-1995.

Whereas on creation of these posts, the permanent absorbed employees of the District Forums and State Consumer Commission were to be considered for promotion on these promotional posts as per directions of the State Government but their rights were ignored and Shri Surinder Kumar was first absorbed in the State Consumer Commission in his own pay scale against the post of Superintendent Grade I, vide order dated 5-5-1995 and thereafter the pay scale of Superintendent Grade I was released to him vide order dated 25-9-1996, without equivalent post and without proper promotion orders by holding D.P.C.

Whereas, Mr. Jagdish Chauhan, who was working in the District Consumer Forum, Shimla as Reader in the pay scale of Rs. 1800-3200 (pre-revised) was absorbed on 26-5-1992 and he was to be considered for the promotion but he was ignored his right of promotion. Mr. Chauhan, vide his representation dated 19-8-1996 had challenged the permanent absorption and releasing of pay scale of Superintendent Grade-I to Shri Surinder Kumar.

Whereas the representation of Shri J. C. Chauhan, has been examined in detail and the same has been accepted on 9-1-2004 by terming him senior to Shri Surinder Kumar.

Whereas consequent upon the decision of acceptance of claim and representation of Shri J. C. Chauhan, Superintendent Grade-II, District Forum, Shimla, Shri Surinder Kumar stands adjusted against the post of Superintendent Grade-II as he was never promoted to the post of Superintendent Grade-I and he is posted as such in the District Forum Kangra at Dharamshala in the pay scale of Rs. 6400-10640 in administrative and public interest with immediate effect.

Sd/-  
President,  
State Consumer Commission,  
Shimla-9.

## DIRECTORATE OF ESTATES HIMACHAL PRADESH

### OFFICE ORDER

Shimla-2, the 7th February, 2004

No. DE. 6-37/96-843-51.—In exercise of the powers vested in me under rule 1.26 and 1.17 of the Himachal Pradesh Financial Rules, 1971, Vol. I, the undersigned hereby declare Shri Vipea Gangta, Superintendent Gr-I (Glass-I Gazetted) of the Directorate of Estates, H.P. Shimla-2 as the Head of Office and Drawing Disbursing officer and also to act as Controlling Officer, with immediate effect in respect of the following heads of accounts:—

Major Head : 2216—Housing.  
01—Govt. Residential Building.  
106—General Pool Accommodation.  
03—Estate Management (Non-Plan).

Major Head : 0216—Housing.  
01—Govt. Residential Building.  
106—General Pool Accommodation.  
03—Receipt from Estate Office.

Sd/-  
Director of Estates,  
Himachal Pradesh.

## DIRECTORATE OF CO-OPERATION HIMACHAL PRADESH

## DIRECTIVE

Shimla-2, the 1st January, 2004

**Subject.** Sitting fees, TA/DA and other facilities to the Non-Official Chairman/President and Members of the Board of Directors of the HIMFED, H. P. State Agri. & Rural Dev. Bank/Jogindra Central Co-op. Bank, Bhagat, Parwanoo and Shimla Urban Co-operative Banks and Kinnaur District Co-op. M&C Federation.

**No. 6-42 84-Co-op. (T&M)Vol.I.**—In supersession of all previous Directions/Instructions/Orders in respect of following Co-operative Banks/Federations and in exercise of the powers vested in me under Rule-152 of the H. P. Co-operative Societies Rules, 1971, following directive is issued on the above said subject for smooth functioning of these Co-operative Banks/Federations :—

1. For H. P. State Co-op. M&C Federation and Himachal Pradesh State Agri Co-op. & Rural Development Bank.

Sitting Fee	DA for Chairman	DA For Member of BODs	Journey by own Car	Hotel Charges
Rs. 400/- (Rs. four hundred).	Rs. 300/- (Rs. three hundred) for 15 days.	Rs. 200/- (Rs. two hundred)	Rs. 5/- per K.m Rs. five per Km. subject to ceiling of 1200 Km. per month.	As applicable to the Grade-I Officer of the department.

2. For Jogindra Central Co-operative Bank, Bhagat Urban Co-op. Bank, Parwanoo Co-op. Urban Bank and Shimla Urban Co-op. Bank and Kinfed.

Sitting fee	DA for Chairman	DA for Members of BOD	Journey by own Car	Hotel Charges
Rs. 300/- (Rs. three hundred).	Rs. 150/- (Rs. one hundred fifty for 12 days).	Rs. 150/- (Rs. one hundred fifty).	Rs. 5/- per Km. (Rs. five per Km. subject to ceiling of 1200 Km. per month)	As applicable to the Grade-I Officer of the H. P. Govt.

3. Sitting fees per sitting, D. A. per day for travelling period and mileage per Km. etc. shall be allowed to all non-official delegates of General Body as is admissible to the members of the Board of Directors of aforesaid Co-operative institutions.

**General:—**

1. D. A. shall not be allowed for the day when sitting fee is payable.

2. D. A. shall be calculated as follows:—

- (a) If absence from Hqrs. does not exceed 6 hours .. Nil.
- (b) If the absence from Hqrs. exceed six hours but does not exceeds 12 hours .. @70%.
- (c) If the absence from Hqrs. exceeds 12 hours .. @full DA.

3. Prior approval of the Registrar Co-operative Societies, H. P. will be required if Member of the Board of Directors is to travel outside the state of H. P. for any official work/study tour.

4. The Chairman and Managing Director shall be allowed actual charges for local transportation outside State.

5. The non-official members of Parliament/Vidhan Sabha shall be entitled to TA/DA in respect of journey performed in connection with work of the respective co-operative institution on the scale as is admissible to them under the salaries and allowances of members of Parliament/Legislative Assembly respectively.

The member of Parliament in the BOD of Co-operative institutions, in respect of journey performed by him by Rail, Road, Air and Steamer in connection with the work of the Co-operative institutions shall be entitled to TA/DA at the same scale as is admissible to him under salaries and allowance of M. P. as amended from time to time.

The members of B. O. D. will not be entitled to D. A. in connection with their assignment when the Vidhan Sabha or the Vidhan Sabha Committee is in session as they will be drawing their D. A. under the salaries and allowances of Legislative Assembly (H. P. Act, 1971) from the Vidhan Sabha. However, if they certify that they were prevented from attending session of the house or the Vidhan Sabha/Committee and did not draw any D. A. from Vidhan Sabha, they would be entitled to D. A. @ as prescribed:

Provided that claims on account of travelling, halting and incidental allowance of members for attending the committee appointed by the Govt. shall be paid after these have been countersigned by the Secretary Vidhan Sabha for encashment.

The provision of Rules 4.17 & 6.1 of the H. P. Treasury Rules will apply *mutatis* in the case of overpayment draw on account of travelling allowance to non-official members.

6. These facilities will be applicable till the financial position of these Banks/Federations remains good.
7. Managing Director shall be the Drawing and Disbursing Officer.
8. For any sort of clarification, matter may be referred to the Directorate of Co-operation.
9. This Directive shall be applicable with immediate effect.

Sd/-  
Registrar, Co-operative Societies,  
Himachal Pradesh.

## TOURISM DEPARTMENT

### CANCELLATION ORDER OF HOTEL

Shimla-9, the 24th February, 2004

No. 6-20/85-DTO-SML-1633.—Whereas Hotel "Gopal Guest House" at Rampur Bushehr District Shimla, H.P. registered *vide* registration No. 6-20/85-TSM-945 dated 7-9-1999 under the Himachal Pradesh Tourist Trade Act, 1988.

Whereas the proprietor of the above hotel *vide* his application dated 30-1-2004 has requested to cancel its certificate of registration since he has cease to operate the hotel "Gopal Guest House" at Rampur Bushehr, District Shimla H.P. *w.e.f.* 1-3-2003.

Therefore, I, Surinder Justa, District Tourism Development Officer, Shimla division in exercise of the powers vested in me under section 30(a) of the Himachal Pradesh Tourism Development and Registration Act, 2002, hereby order to remove the name of the Hotel known as hotel "Gopal Guest House" at Rampur Bushehr, District Shimla (H.P.) from the register and cancel certificate of registration with effect from 1-3-2003.

SURINDER JUSTA,  
District Tourism Development Officer,  
Shimla-9 (H. P.).

Office of the General Manager, District Industries  
Centre, Nahan, District Sirmour (H.P.)

### OFFICE ORDER

Nahan, the 16th February, 2004

No. Ind/SMR/REGN/IPCL/9156.—Whereas M/s International Cylinder (P) Ltd.-20-I.A. Paonta Sahib Distt. Sirmour H.P. is registered with this office *vide* PMT No. 06/10/02481 dated 7-10-1996 for the manufacture of LPG Cylinders having investment of Rs. 82.58 lakhs in P&M as on 6-1-2003.

Further, as the industrial unit in question, has gone into Substantial Expansion by making additional investment of Rs. 51.44 lakhs in P&M and unit is, thus, functioning with the Total investment of Rs. 134.02 lakhs *w.e.f.* 28-11-2003 as per inspection note of the committee which inspected the unit on 13-1-2004.

In consequence of above, since the unit has crossed the permissible limit of investment in P&M for SSI units *i.e.* Rs. one crore as such M/s International Cylinder (P) Ltd., 20-I.A. Paonta Sahib is hereby deregistered as SSI unit *w.e.f.* 28-11-2003 and status of the unit is changed from SSI to L&M scale unit *w.e.f.* 28-11-2003. M/s International Cylinder (P) Ltd., 20-I. A. Paonta Sahib shall not be eligible for any incentives which are exclusively meant for SSI units *w.e.f.* 28-11-2003.

Sd/-  
General Manager,  
District Industries Centre, Nahan,  
District Sirmour (H.P.).

Office of the Assistant Registrar Co-operative Societies,  
Una, District Una (H. P.)

### OFFICE ORDERS

Una, the 20th February, 2004

No. AR/Insp. H. Q./2154-57.—Whereas the Piplu Milk Producers Co-operative Society Ltd. P.O. Ghaloon, Tehsil Bangana, District Una was registered on 1-7-1982 *vide* No. 223 and brought under liquidation *vide* ARCS Office letter No. 5501-04, dated 24-2-2003.

Whereas efforts were made by the liquidator of the said society for the revival of that society during the liquidation period but in vain. The assets and liabilities of the society has been disposed off as per latest Audit Note and Inspection Note of the society.

Whereas the liquidator of the said society has submitted the final report and Inspector Co-operative Societies Bangana has also recommended for the cancellation of the registration of the society *vide* his office letter No. 31, dated 9-2-2004.

Now, therefore, I, Kishori Lal Choudhry, Assistant Registrar, Co-operative Societies, Una, District Una (H.P.) exercising the power of Registrar Co-operative Societies, H. P. Shimla, under section 83 (2) of the H. P. Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969) do hereby order the cancellation of registration of the said society today on 20-2-2004.

Una, the 1st March, 2004

No. AR/Insp. H. Q./5182-85.—Whereas the Daulatpur Co-operative Brickkiln Society Ltd., Daulatpur, Tehsil Amb, District Una was registered on 30-4-1956 *vide* No. 651 (20-2) and brought under liquidation *vide* ARCS Office letter No. 3648-52, dated 1-3-2000.

Whereas efforts were made by the liquidator of the said Society for the revival of that society during the liquidation period but in vain. The assets and liabilities of the society has been disposed off as per latest Audit Note and Inspection Note of the society.

Whereas the liquidator of the said society has submitted the final report and Inspector Co-operative Societies Gagret has also recommended for the cancellation of the registration of the society *vide* his office letter No. 889 dated 25-2-2004.

Now, therefore, I, Kishori Lal Choudhary, Assistant Registrar, Co-operative Societies, Una, Himachal Pradesh exercising the power of Registrar, Co-operative Societies, Himachal Pradesh, Shimla under Section 83(2) of the Himachal Pradesh Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969) do hereby order the cancellation of registration of the said society today on 28-2-2004.

Una, the 1st March, 2004

No. AR/Insp. H.Q./5174-77.—Whereas the Basal Milk Producers Co-operative Society Ltd., Basal, Tehsil and District Una was registered on 21-12-1979 vide No. 755 and brought under liquidation vide ARCS Office letter No. 3493-97, dated 1-3-2000.

Whereas efforts were made by the liquidator of the said society for the revival of that society during the liquidation period but in vain. The assets and liabilities of the society has been disposed off as per latest Audit Note and Inspection Note of the society.

Whereas the liquidator of the said society has submitted the final report and Inspector Co-operative Societies, Una has also recommended for the cancellation of the registration of the society vide his office letter No. Spl. 1, dated 27-2-2004.

Now, therefore, I, Kishori Lal Choudhry, Assistant Registrar, Co-operative Societies, Una, District Una, Himachal Pradesh exercising the power of Registrar Co-operative Societies, Himachal Pradesh, Shimla under section 83 (2) of the Himachal Pradesh Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969) do hereby order the cancellation of registration of the said society today on 28-2-2004.

Una, the 1st March, 2004

No. AR/Insp. H. Q./5186-89.—Whereas the Dhamandri Co-op. Reclamation and Improvement of Shamlat and Chou Waste Land Society Ltd., Tehsil and District Una was registered on 29-7-1941 vide No. 392 and brought under liquidation vide ARCS Office letter No. 5457-60, dated 24-2-2003.

Whereas efforts were made by the liquidator of the said society for the revival of that society during the liquidation period but in vain. The assets and liabilities of the society has been disposed off as per latest Audit Note and inspection Note of the society.

Whereas the liquidator of the said society has submitted the final report and Inspector, Co-operative Societies, Una has also recommended for the cancellation of the registration of the society vide his office letter No. Spl. 2, dated 27-2-2004.

Now, therefore, I, Kishori Lal Choudhry, Assistant Registrar, Co-operative Societies, Una, District Una, Himachal Pradesh exercising the power of Registrar, Co-operative Societies, Himachal Pradesh, Shimla under section 83 (2) of the Himachal Pradesh Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969) do hereby order the cancellation of registration of the said society today on 28-2-2004.

Una, the 1st March, 2004

No. AR/Insp. H. Q./5178-81.—Whereas the Ambota Soap and Chemicals Production-cum-Sale Co-op. Indus-

trial Society Ltd., Ambota, Tehsil Amb, District Una was registered on 25-2-1991 vide No. 769 and brought under liquidation vide ARCS Office letter No. 5529-32, dated 24-2-2003.

Whereas efforts were made by the liquidator of the said society for the revival of that society during the liquidation period but in vain. The assets and liabilities of the society has been disposed off as per latest Audit Note and Inspection Note of the society.

Whereas the liquidator of the said society has submitted the final report and Inspector, Co-operative Societies, Gagrot has also recommended for the cancellation of the registration of the society vide his office letter No. 890, dated 25-2-2004.

Now, therefore, I, Kishori Lal Choudhry, Assistant Registrar, Co-operative Societies, Una, District Una, Himachal Pradesh exercising the power of Registrar, Co-operative Societies, Himachal Pradesh, Shimla under section 83 (2) of the Himachal Pradesh Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969) do hereby order the cancellation of registration of the said Society today on 28-2-2004.

Una, the 4th March, 2004

No. AR/Insp. H. Q./5241-44.—Whereas Una Ex-Servicemen Co-operative Transport Society Ltd., Una, P. O., Tehsil and District Una was registered on 4-11-1988 vide No. 763 and brought under liquidation vide ARCS Office letter No. 3498-3502, dated 1-3-2000.

Whereas efforts were made by the liquidator of the said society for the revival of that society during the liquidation period but in vain. The assets and liabilities of the society has been disposed off as per latest Audit Note and inspection Note of the society.

Whereas the liquidator of the said society has submitted the final report and Inspector Co-operative Societies, Una has also recommended for the cancellation of the registration of the society vide his office letter No. Spl. No. 1, dated 28-2-2004.

Now, therefore, I, Kanwarjeet Singh, Assistant Registrar, Co-operative Societies, Una, District Una, Himachal Pradesh exercising the power of Registrar, Co-operative Societies, Himachal Pradesh, Shimla under section 83(2) of the Himachal Pradesh Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969) do hereby order the cancellation of registration of the said society today on 3-3-2004.

Sd/-  
Assistant Registrar,  
Co-operative Societies, Una.

भाग-3—अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाईनेंशियल कमिशनर तथा कमिशनर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि।

श्रम विभाग

अधिसूचना

शिमला-1, 4 मार्च, 2004

संख्या 11-2/93 (लेब0) आई0 डी0/2004-Solan.—अधो-हस्ताक्षरी को यह प्रतीत होता है कि Raja Forgings Workers Union (INTUC) Regn. 790, Sai Road, Baddi, District Solan, H. P. and the Management of M/s. Raja Forgings & Gears Limited, Sai Road,

Baddi, District Solan, H. P. के मध्य नीचे दिए गए विषय पर औद्योगिक विवाद है ;

और औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 12 (4) के अधीन समझौता अधिकारी द्वारा प्रदत्त की गई रिपोर्ट पर उक्त अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (5) के अधीन विचार करने के उपरान्त अधोहस्ताक्षरी ने निर्णय लिया है कि नामाला श्रम न्यायालय/औद्योगिक अधिकरण को अधिनियम के लिए भेजने योग्य है।

अतः हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 19-8/89-श्रम(लूज), दिनांक 7 सितम्बर, 1992 द्वारा प्रदत्त



शक्ति में का प्रयोग करने एतद्वारा इस मामले को उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम व्यापार/प्रौद्योगिक अतिक्रमण, हिमाचल प्रदेश को नीचे व्याख्या किए गए विषय पर अधिनियम देने के लिए भेजा जाता है :—

योजना विभाग

अधिसूचना

गिन-2, 28 फरवरी, 2004

“Whether the strike of workmen in M/s. Raja Forgings & Gears Limited, Badli w. e. f. 21-2-2004 in pursuance to suspension of Shri Darshan Kumar, Vice President, w. e. f. 21-2-2004 as alleged by the management of M/s. Raja Forgings & Gears Limited Sai, Road, Baddi, District Solan, H. P. is legal and justified? If yes, to what wages and relief, the workmen on strike are entitled to? If not, what are its legal effects on striking workmen?”

“Whether the lock-out in the factory of M/s. Raja Forgings & Gears Limited, Baddi, District Solan, H. P. w. e. f. 21-2-2004 to suppress the legal union activity as alleged by the representatives of Raja Forgings Workers Union, Baddi, District Solan, H. P. is legal and justified? If not, to what wages and relief the workmen of the factory are entitled to? If yes, its legal effects?”

हस्ताक्षरित/-  
श्रमयुक्त ।

## LABOUR AND EMPLOYMENT DEPARTMENT

### ORDER

Shimla-2, the 5th March. 2004

No. 11-2/93(Lab.)I.D./2004-Solan.—Whereas a dispute arose between the management of M/s Raja Forgings & Gears Ltd., Sai Road, Baddi, District Solan, H. P. and Raja Forgings Workers Unions (INTUC) Regn. No. 790, Sai Road, Baddi, District Solan (H.P.) due to suspension of Shri Darshan Kumar, Vice President of Raja Forgings Worker Union by the Management of M/s Raja Forgings & Gears Ltd., Sai Road, Baddi, District Solan, H. P.;

And whereas the Management of M/s Raja Forgings Sai Road, Baddi, District Solan, H. P. has alleged that the workmen have gone on strike w.e.f. 21-2-2004 without giving proper notice;

And whereas the Raja Forgings Workers Union (INTUC) Regn. No. 790, Sai Road, Baddi, District Solan (H. P.) has alleged that the Management has declared lockout in the factory w.e.f. 21-2-2004 without giving proper notice;

And whereas the conciliation proceedings were conducted by the Conciliation Officer-cum-Labour Officer, Solan and the Deputy Labour Commissioner, H. P. but the dispute could not be settled and the report under Section 12 (4) of the Industrial Disputes Act, 1947 was submitted to the undersigned. On the basis of this report, the issue of dispute have been referred to the Labour Court/Industrial Tribunal of Himachal Pradesh, Shimla for adjudication vide notification No. 11-2/93 (Lab.) I.D./2004-Solan, dated 4-3-2004 but the workmen are still on strike as alleged by the Management and the lockout in the factory still continue as alleged by the workers union.

Therefore, in the light of reference made on the issues of dispute, in exercise of powers vested in me vide Section 10 (3) of the Industrial Disputes Act, 1979 and Himachal Pradesh Government Notification No. 19-8/89 (Loose), dated 7-9-1992, I, hereby, prohibit the strike/lock-out in the factory of M/s Raja Forgings and Gears Ltd., Sai Road, Baddi, District Solan (H.P.) with immediate effect.

Sd/-  
(BHARAT KHERA),  
Labour Commissioner.

संख्या पी 0एल 0जी 07 (3) 17/95—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या पी 0एल 0जी 0ए 0 (3) 17/95, तारीख 19-11-1997 द्वारा अधिसूचित श्रम एवं सांख्यिकी विभाग, हिमाचल प्रदेश, अन्वेषक, वर्ग-III (अराजपतित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश श्रम एवं सांख्यिकी विभाग, अन्वेषक, वर्ग-III (अराजपतित) भर्ती एवं प्रोन्नति (तृतीय संशोधन) नियम, 2004 है ।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. उपाबन्ध “अ” का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश श्रम एवं सांख्यिकी विभाग, अन्वेषक, वर्ग-III (अराजपतित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध “अ” में,—

(क) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

वर्ग-IV कर्मचारियों में से जो दसवीं पास हो या मैट्रिक के अंग्रेजी विषय सहित हिन्दी (रूल) पास हो और जिनका पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल या लगातार की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा :

परन्तु यह कि इस प्रकार प्रोन्नति वर्ग-IV के पद के पदधारियों को आगामी प्रोन्नति के लिए तब तक पात्र नहीं समझा जाएगा जब तक कि वे उल्लेखित स्तम्भ संख्या 7 में यथावर्णित सीधी भर्ती के लिए विहित न्यूनतम शैक्षणिक अर्हताएं प्राप्त नहीं कर लेते ।

प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्मरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्मरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी :

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्मरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, इनमें से जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कानिष्ठ व्यक्ति भी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे ।

स्पष्टीकरण.—यन्तिम परन्तु के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा/समझे जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमांडिबल इन्ड्रामेंड फोर्स परसोनल (रिजर्वेशन ग्राफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैकनिकल सर्विसिज) क्लब, 1972 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत बरीयता लाभ दिये गये हों या जिसे ऐक्स

सर्विसमें (रिजर्वेशन ग्राफ वेई-सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विस) रूल्स, 1985 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा उनके अन्तर्गत बरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिये गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चरण के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु उपर्युक्त तथा निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप आरक्षित बरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

एस0 एस0 परमार,  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. PLG-A (3)17/95, dated 28-2-2004 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## PLANNING DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 28th February, 2004

No. PLG-A (3)17/95.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh, Economics and Statistics Department, Investigator Class-III (Non-Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 1997 notified vide this Department Notification No. PLG-A (3)17/95 dated 19-11-1997, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Economics and Statistics Department Investigator Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (Third Amendment) Rules, 2004.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment in Annexure-"A".*—In Annexure-"A" to the Himachal Pradesh Economics and Statistics Department, Investigator Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 :—

(a) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted, namely :—

By promotion from amongst the Class-IV officials who have passed the Matric or Hindi (Rattan) with Matric (English as one of the subject) and also possess 5 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service, if any:

Provided that the incumbents of the post of Class-IV officials so promoted shall not be considered to be eligible for their next promotion, until they possess the minimum educational qualifications prescribed for direct recruitment as mentioned in column No. 7 of the above Rules.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable

process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules ;

(i) Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided further that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

*Explanation.*—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion, if the senior ineligible persons happened to be ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion has been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R & P Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

By order,

S. S. PARMAR,  
Principal Secretary.

योजना विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 28 फरवरी, 2004

संख्या पी0 एल0 जी0 ए(3) 4/95.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या पी0 एल0 जी0 ए(3) 4/95 तारीख 19-11-1997 द्वारा अधिसूचित अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग हिमाचल प्रदेश, सांख्यिकी सहायक वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग, सांख्यिकी सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (चतुर्थ संशोधन) नियम, 2004 है।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश अर्थ एवं सांख्यिकी

विभाग, सॉलियुकी सहायक वर्ग-III (अग्रजलित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपबन्ध "अ" में:—

(क) स्तम्भ संख्या-11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, यथातः—

अन्वेषकों में से, जिनका 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सहित संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर हिमाचल प्रदेश सरकार के अन्य विभागों में कार्यरत पदधारियों में से जो समरूप वेतनमान में कार्यरत हो और उपयुक्त स्तम्भ संख्या-7 में यथा-विहित अनिवार्य अर्हताएं पूरी करते हों में से, प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा:

प्रोन्नति और सीधी भर्ती के प्रयोजन के लिए रोस्टर निम्नलिखित प्रकार से होगा।

प्रथम पद अन्वेषक के लिए  
द्वितीय पद अन्वेषक के लिए  
तृतीय पद अन्वेषक के लिए  
चतुर्थ पद सीधी भर्ती द्वारा

(तत्पश्चात् रोस्टर की पुनरावृत्ति की जाएगी)

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी:

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा इनमें से जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वागामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—प्रतिम परन्तु के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा/समझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्म्ड फोर्स परसोनल (रिजर्वेशन आफ बैकसीज इन हिमाचल स्टेट नान टेक्नीकल सर्विसिज) रूज, 1972 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स-सर्विजेशन (रिजर्वेशन आफ बैकसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूज, 1985 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गये हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी:

परन्तु उपर्युक्त यथा निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अस्तिविता रहेगी।

आदेश द्वारा,  
एस0 एस0 परमार,  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. PLG-A(34)/95, dated 28-2-2004 as required under clause (3) of Article 343 of the Constitution of India.]

## PLANNING DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 28th February, 2004

No. PLG-A(34)/95.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh, Public Service Commission is pleased to make the following Rules further to amend the Himachal Pradesh, Economics and Statistics Department, Statistical Assistant Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion, Rules, 1997 notified vide this department notification No. PLG-A(3) 4/95 dated 19-11-1997, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh, Economics and Statistics Department, Statistical Assistant Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (Fourth amendment) Rules, 2004.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure "A".*—In Annexure-"A" to the Himachal Pradesh Economics & Statistics Department Statistical Assistant, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997:—

(a) For the existing provision against Column No. 11, the following shall be substituted, namely:—

By promotion from amongst the Investigators possessing five years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service if any failing which by deputation/transfer of incumbent already working in H. P. Government Department having identical pay scales and fulfilling essential qualifications as prescribed in column No. 7 of the Rules:

For the purpose of promotion and direct recruitment the roster shall be as under:—

1st post to Investigator  
2nd post to Investigator  
3rd post to Investigator  
4th post by direct recruitment  
(thereafter the roster is to be repeated)

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules:

(i) Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided further that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the R & P Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of

the requirements of the proceeding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be ex-servicemen recruited under the provisions of Rule-3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule-3 of the Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

2. Similarly, in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion has been made after proper selection and in accordance with the provision of the R & P Rules:

Provided that *inter-se-seniority* as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

By order,

S. S. PARMAR,  
Principal Secretary.

योजना विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 3 मार्च, 2003

संख्या पी०एल०जी०ई०एस०ए(३)८/८३.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस विभाग की अधिसूचना संख्या पी०एल०जी०ई०एस०ए(३)८/८३, तारीख 26-7-1991 द्वारा अधिसूचित अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग, हिमाचल प्रदेश में, आर्थिक सलाहकार वर्ग-1 (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1991 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग, आर्थिक सलाहकार वर्ग-1 (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (चतुर्थ संशोधन) नियम, 2004 है।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपावन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग, आर्थिक सलाहकार वर्ग-1 (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1991 के उपावन्ध "अ" में,—

(क) स्लम्ब संख्या-11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

संयुक्त निदेशक अर्थ एवं सांख्यिकी में से जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या तदर्थ सेवा सहित 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर संयुक्त निदेशकों और उप-निदेशकों में से, जिनका संयुक्त निदेशक/उप-निदेशक के रूप में संयुक्त रूप में 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या तदर्थ सेवा सहित 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा।

या  
भारतीय प्रशासनिक सेवा संवर्ग के पदधारी में से, जिनका संवर्ग में 6 वर्ष का सेवा काल हो/हिमाचल प्रशासनिक सेवा संवर्ग के पदाधारी में से जिसका संवर्ग में कम से कम 14 वर्ष का सेवाकाल हो, प्रतिनियुक्ति द्वारा।

(1) प्रोन्नतीय के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर नदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के निम्न इन नियमों में गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को ग्रहण करने के पश्चात् की गई थी:

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे बरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति में ऊपर रखे जाएंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम ग्रहता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, इनमें से, जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

**स्थापना.**—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा/समझे जाएंगे यदि बरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाइज्ड ग्रामंड फोरसिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत बरीयता लाभ दिए गये हों या जिसे ऐक्स-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत बरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थापना के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी:

परन्तु उपर्युक्त यथा निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थापना होगा उसके फलस्वरूप वार्षिक बरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

एस० एस० परमार,  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. PLG(ES)A(3)8/83 dated 3-3-2004 as required under clause (3) of Article 348 of Constitution of India].

## PLANNING DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 3rd March, 2004

No. PLG(ES)A(3)8/83—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules

further to amend the Himachal Pradesh Economic and Statistics Department, Economics Adviser Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1991 notified vide this Department Notification No. PLG(ES) A(3)/83, dated 26-7-1991, namely:—

1. **Short title & commencement.**—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh, Economics & Statistics Department, Economic Adviser, Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion (Fourth Amendment) Rules, 2004.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. **Amendment of Annexure "A".**—In Annexure "A" to the Himachal Pradesh Economics & Statistics Department Economic Adviser, Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1991:—

(a) For the existing provisions against Col. No. II, the following shall be substituted, namely:—

By promotion from amongst the Joint Directors Economics & Statistics with three years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service failing which from amongst the Joint Directors and Deputy Directors with five years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service if any, as Joint Director/Deputy Director combined.

or

By deputation of an incumbent of IAS cadre possessing at least 6 years service in the cadre/HAS cadre possessing at least 14 years service in the cadre.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules:

(i) Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided further that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment & Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of the Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical

Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion has been made after proper selection and in accordance with the provision of the R & P Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

By order,

S. S. PARMAR,  
Principal Secretary.

योजना विभाग

ग्रहिसूचना

जिम्ना-2, 3 मार्च, 2004

संख्या पी० एन० जी० ए० (३) १०/९५.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के पन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस विभाग की ग्रहिसूचना संख्या पी० एन० जी० ए० (३) १०/९५, तारीख 20-3-1997 द्वारा ग्रहिसूचित अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग, हिमाचल प्रदेश निजी सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग, निजी सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (तृतीय संशोधन) नियम, 2004 है।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग निजी सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध "अ" में:—

(क) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका ग्रेड में 6 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा का सम्मिलित करके 6 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों और कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों का संयुक्त रूप में 8 वर्ष का नियमित सेवाकाल या की गई लगातार तदर्थ सेवा सहित 8 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 11 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा सहित 11 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर हिमाचल प्रदेश सरकार के अन्य विभागों से समतुल्य वेतनमान में कार्यरत पदधारियों में से, प्रतिनियुक्ति द्वारा।"

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जायेगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी:

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित

जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहाँ अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा इनमें से जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और कि जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक्त को अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे ।

**स्पष्टीकरण.**—अन्तिम परन्तुक्त के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा/समझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मड फोर्सिज पर्सोनल (रिजर्वेशन ऑफ़ वैकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नॉन टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे ऐक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन ऑफ़ वैकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों ।

(2) इसी प्रकार स्पष्टीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु उपर्युक्त यथानिर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्पष्टीकरण होगा उसके कवस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

आदेश द्वारा,

एस० एस० परमार,  
प्रधान सचिव (योजना) ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. PLG-A(3)10/95, dated 3-3-2004 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## PLANNING DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 3rd March, 2004

No. PLG-A(3)10/95.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following Rules further to amend the Himachal Pradesh Personal Assistant (Class-III, Non-Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 1997 notified vide this department notification No. PLG-A(3)10/95, dated 20-3-1997, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Economics & Statistics Department Personal Assistant (Class-III, Non-Gazetted) Recruitment & Promotion (Third Amendment) Rules, 2004.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. **Amendment in Annexure "A".**—In Annexure "A" to the Himachal Pradesh Economics & Statistics

Department Personal Assistant (Class-III, Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 :—

(a) For the existing provision against Column No. 11, the following shall be substituted, namely :—

By promotion from amongst the Senior Scale Stenographer who possess 6 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service, in the grade, failing which by promotion from amongst the Junior Scale Stenographers with 8 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service as Senior Scale Stenographers and Junior Scale Stenographer combined failing which by promotion from amongst the Junior Scale Stenographers with 11 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* in the grade, failing which by deputation from amongst the incumbents of this post working in the identical pay scale from other H. P. Government Departments;

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules.

(i) Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided further that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of the Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion has been made after proper selection and in accordance with the provision of the Recruitment & Promotion Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

By order,

S. S. PARMAR,  
Principal Secretary (Planning).

भाग-4 स्थानीय स्वायत्त शासन, म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाईड और टाऊन एरिया तथा पंचायतों राज विभाग



### भाग 5—वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन

कार्यालय श्री बी० डी० चौधरी, उप-मण्डलाधिकारी भरमौर,  
जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

व अदालत जय राम डोगरा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, डलहौजी,  
जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

श्री देश राज पुत्र श्री जोहरी, गांव थल्ला, डाकघर श्रीराफाटी,  
तहसील भरमौर, जिला चम्बा

श्री गरमेश कुमार पुत्र बजीराम राम, निवासी गांव खोर्टी, तहसील  
डलहौजी (हि० प्र०)

बनाम

बनाम

आम जनता

आम जनता

प्रत्यार्थीगण ।

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रिकरण  
अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत बच्चों का नाम व जन्म तिथि  
दर्ज करने बारे ।

श्री देश राज पुत्र श्री जोहरी, निवासी ग्राम थल्ला, डाकघर  
श्रीराफाटी, तहसील भरमौर, हिमाचल प्रदेश ने अपनी लड़की का  
नाम व जन्म तिथि ग्राम पंचायत श्रीराफाटी के रिकार्ड में दर्ज  
करवाने बारे जेर धारा 13 (3) के अन्तर्गत प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत  
किया है कि मेरी लड़की श्रीती जिसकी जन्म तिथि 17-7-1998 है  
पंचायत के पंजीयन रजिस्टर में दर्ज नहीं है दर्ज की जाये ।

अतः इन अदालती इस्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया  
जाता है कि श्रीती पुत्री देश राज जन्म तिथि 17-7-1998 ग्राम  
पंचायत श्रीराफाटी के परिवार रजिस्टर में इन्द्राज करने पर यदि  
किसी को उजर व एतराज हो तो वे अपना पक्ष इन बारे 26-3-2004  
या इससे पूर्व उपस्थित होकर पेश कर सकता है अन्यथा सम्बन्धित  
ग्राम पंचायत सचिव को जन्म तिथि एवं नाम के इन्द्राज करने  
बारे आदेश पारित कर दिये जाएंगे ।

यह इस्तहार आज दिनांक 26-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व  
अदालत की मोहर से जारी किया गया ।

मोहर । बी० डी० चौधरी,  
उप-मण्डलाधिकारी,  
भरमौर, जिला चम्बा (हि० प्र०) ।

व अदालत श्री जे० एस० राणा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी डलहौजी,  
जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

मुकुन्दमा : जन्म तिथि प्रमाण ।

आशा देवी बनाम आम जनता

वरुणास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता ।

श्रीमती आशा देवी विधवा धर्मपाल, निवासी कण्डा, तहसील  
डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश ने इस न्यायालय में वरुणास्त  
गुजारी है कि उसके पोते का जन्म पंचायत पुखरी में दर्ज न हुआ  
है और अब दर्ज करवाना चाहती है । उसके उपरोक्त पोते की  
जन्म तिथि 17-8-2001 है तथा जन्म स्थान पुखरी, तहसील  
डलहौजी, जिला चम्बा है ।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता तथा सम्बन्धित  
रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त  
नाम व जन्म तिथि दर्ज होने में कोई उजर/एतराज हो तो वह  
इस नोटिस के प्रकाशन होने के पश्चात् एक माह के अन्दर-अन्दर  
असालतन या वकालतन इस अदालत में हाजिर आकर पेश करे  
अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर वांछित प्रमाण-  
पत्र जारी करने के निर्देश सम्बन्धित कार्यालय को दे दिये जाएंगे ।

आज दिनांक 27-2-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
से जारी हुआ ।

मोहर । जे० एस० राणा,  
उप-मण्डल दण्डाधिकारी,  
डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०) ।

प्रार्थना-पत्र बराए राजस्व अभिलेख में दर्हस्ती हेतु ।

श्री गरमेश कुमार पुत्र श्री बजीराम राम, निवासी गांव खोर्टी,  
तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हि० प्र० ने इस कार्यालय में प्रार्थना-  
पत्र भय न्याय हल्की इस आशय से गुजारा है कि, राजस्व अभिलेख  
के रिकार्ड, महाल खोर्टी परगना बूहन के रिकार्ड में प्रार्थी का नाम  
ग़ेछो दर्ज है, जो कि ग़लत दर्ज हो चुका है । जबकि प्रार्थी का मही  
नाम गरमेश कुमार है जिसे दर्हस्त किया जाना उचित है ।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इस्तहार सूचित किया जाता  
है कि प्रार्थी के नाम की दर्हस्ती बारे यदि किसी को कोई उजर  
एतराज हो तो वह दिनांक 29-3-04 को असालतन या वकालतन  
कार्यालय अघोहस्ताक्षरी आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है ।  
हाजिर न आने की सूरत में नाम की दर्हस्ती हेतु सम्बन्धित विभाग  
को आदेश दे दिए जाएंगे ।

आज दिनांक 4-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से  
जारी हुआ ।

मोहर । जय राम डोगरा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०) ।

व अदालत जय राम डोगरा, कार्यकारी दण्डाधिकारी डलहौजी,  
जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

श्री शिव भूषण पुत्र स्व० श्री चन्दू, निवासी गांव मकड़ाई बाई,  
डाकघर वाथरी, तहसील डलहौजी (हि० प्र०)

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बराय राजस्व अभिलेख में दर्हस्ती हेतु ।

श्री शिव भूषण पुत्र स्व० श्री चन्दू निवासी गांव मकड़ाई बाई,  
डाकघर वाथरी, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हि० प्र० ने इस  
कार्यालय में प्रार्थना-पत्र भय न्याय हल्की इस आशय से गुजारा है कि  
पटवार वृत्त वाथरी व पटवार वृत्त रुलियाणी के राजस्व अभिलेख में  
प्रार्थी का नाम सोभा राम दर्ज है जो कि ग़लत दर्ज है जबकि प्रार्थी का  
सही नाम शिव भूषण है जिसे दर्हस्त किया जाना उचित है ।

इस सम्बन्ध में सर्व साधारण को बजरिया इस्तहार सूचित किया  
जाता है कि प्रार्थी के नाम की दर्हस्ती हेतु यदि किसी को कोई  
उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 29-3-2004 को कार्यालय  
अघोहस्ताक्षरी में असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज  
दर्ज करवा सकता है । हाजिर न आने की सूरत में पटवार वृत्त  
रुलियाणी व पटवार वृत्त वाथरी को नाम की दर्हस्ती हेतु आदेश दे  
दिए जाएंगे ।

आज दिनांक 4-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से  
जारी हुआ ।

मोहर । जय राम डोगरा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
डलहौजी (हि० प्र०) ।

ब अदालत श्री जय राम डोगरा, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा तकसीम नं० 30/IX-A/02 दायर तिथि : 26-12-2002

श्री बदरी राम पुत्र श्री महेश राम पुत्र तुलसी राम, निवासी गांव सुकरा, मुहाल नूह, परगना नगाली, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

बनाम

1. परसो राम पुत्र महेश, 2. पूर्ण चन्द पुत्र महेश, 3. श्रीमती छाँछो पुत्री महेश, 4. देवेन्द्र सिंह पुत्र बाको राम, 5. रविन्द्र सिंह पुत्र बाको राम, 6. राज कुमार पुत्र बाको, 7. गुड्डो देवी पुत्री बाको, 8. सत्या देवी पुत्री बाको, 9. काली देवी पुत्री बाको, 10. पुष्पा देवी पुत्री बाको, 11. कन्या देवी पुत्री बाको, 12. बजीरा देवी विधवा बाको, 13. प्रीतम सिंह पुत्र भोटो राम, 14. सुरजीत कुमार पुत्र भोटो, सभी निवासीगण मुहाल नूह, मुहाल धार, मुहाल शरपुर, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

प्रत्यार्थीगण ।

दरखास्त तकसीम भूमि खाता खतोनी नं० 1/1, खसरा नं० 4 किता 37, रकबा तादादी 76-1 बीघा, मौजा नूह, परगना नगाली ।

उपरोक्त भूमि की तकसीम मिसल इस न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें रविन्द्र कुमार पुत्र श्रीमती छाँछो, निवासी गांव नूह, डाकघर बगडार, तहसील डलहौजी को बार-बार समन जारी किए जा रहे हैं, लेकिन समन की तामील नहीं हो पा रही है ।

अतः उक्त न्यायालय को यह यकीन हो गया है कि फरीकदोयम रविन्द्र कुमार को समन की तामील साधारण तरीके से नहीं हो सकती है । अतः इनको इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 29-3-2004 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी की अदालत में हाजिर आकर मुकद्दमा की पैरवी करें । न आने की सूत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी । इसके पश्चात् कोई भी उजर काबिले समायत नहीं होगा ।

यह इशतहार आज दिनांक 3-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से जारी हुआ ।

मोहर ।

जय राम डोगरा,  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,  
डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०) ।

ब अदालत श्री नरसिंह कहेश्वर, नायब-तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०)

मुकद्दमा तकसीम नं० 20/IX-A/03.

दायर मिति : 23-12-2003.

मदन लाल पुत्र केसव पुत्र खडकू, निवासी गांव भरियाटा, परगना बाभरी, तहसील डलहौजी मुख्यार खाम श्रीमती बिमला पुत्री व श्रीमती कलासो विधवा केसव पुत्र खडकू, निवासी गांव भरियाटा, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०)

बनाम

1. श्री बाबू राम पुत्र जलो पुत्र चौधरी, निवासी गांव भरियाटा, तहसील डलहौजी, 2. श्री तिलक राज पुत्र जलो पुत्र चौधरी, निवासी गांव भरियाटा, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०)

प्रत्यार्थीगण ।

दरखास्त तकसीम भूमि खाता खतोनी नं० 38/39, खसरा नम्बर किता 12, रकबा तादादी 8-5 बीघा, मुहाल भरियाटा, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०) ।

उपरोक्त भूमि की तकसीम मिसल इस न्यायालय में विचाराधीन है । जिसमें तिलकराज पुत्र जलो पुत्र चौधरी, निवासी गांव

भरियाटा, तहसील डलहौजी को बार-बार समन जारी किये जा रहे हैं लेकिन समन की तामील नहीं हो पा रही है ।

अतः उक्त न्यायालय को यह यकीन हो गया है कि फरीकदोयम तिलक राज को समन की तामील साधारण तरीके से नहीं हो सकती है । अतः इनको इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 29-3-2004 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी की अदालत में हाजिर आकर मुकद्दमा की पैरवी करें । न आने की सूत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी । इसके पश्चात् कोई भी उजर काबिले समायत नहीं होगा ।

यह इशतहार आज दिनांक 4-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से जारी हुआ ।

मोहर ।

नरसिंह कहेश्वर,  
नायब-तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता,  
द्वितीय श्रेणी, डलहौजी, जिला चम्बा ।

ब अदालत श्री नर सिंह, कार्यकारी दण्डाधिकारी, डलहौजी, हिमाचल प्रदेश

श्री रमेश कुमार पुत्र श्री चूहडू, निवासी गांव डनूण, डाकघर गोली, परगना बाथरी, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०)

प्रार्थी ।

बनाम

ग्राम जनता

प्रत्यार्थीगण ।

प्रार्थना-पत्र बराए ग्राम पंचायत में परिवार अलग दर्ज करने बारे ।

श्री रमेश कुमार पुत्र श्री चूहडू, निवासी गांव डनूण, डाकघर गोली, परगना बाथरी, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हि० प्र० ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र मय ध्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि ग्राम पंचायत पघरोटू के अभिलेख में उसका परिवार उसके पिता तथा भाईयों के साथ संयुक्त दर्ज है जबकि वह 7-8 वर्षों से अलग रह रहा है । उसके अपने परिवार के चार प्राणी, जिनमें सर्व श्री 1. प्रार्थी स्वयं, 2. श्रीमति स्वर्ण लता पत्नी, 3. अमित पुत्र तथा, 4. समित पुत्र हैं का अलग परिवार ग्राम पंचायत पघरोटू के अभिलेख में दर्ज किया जाना उचित है ।

अतः इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इशतहार सूचित किया है कि प्रार्थी के परिवार को ग्राम पंचायत पघरोटू के अभिलेख में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 29-3-2004 को असालतन या वकालतन कार्यालय अधोहस्ताक्षरी आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है । हाजिर न आने की सूत में ग्राम पंचायत पघरोटू को श्री रमेश कुमार प्रार्थी के परिवार को अलग दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे ।

आज दिनांक 4-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से जारी हुआ ।

मोहर ।

नर सिंह,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
डलहौजी, जिला चम्बा (हि० प्र०) ।

ब अदालत नर सिंह, कार्यकारी दण्डाधिकारी, डलहौजी, हिमाचल प्रदेश

श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री चौधरी, निवासी गांव धारद, डाकघर दनीखेत, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

ग्राम जनता

प्रत्यार्थीगण

प्रार्थना पत्र बराए राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज करने बारे ।

श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री चौधरी, निवासी गांव धारद, डाकघर दनीखेत, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा ने इस कार्यालय में प्रार्थना पत्र मय ध्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि पटवार सूत डलोग

के अभिलेख में उसका नाम कृष्ण चन्द दर्ज है जोकि गलत है। जबकि प्रार्थी का सही नाम कृष्ण कुमार है जिसे दर्स्त किया जाना उचित है।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इशतहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के नाम की दस्तूरी बारे यदि किसी को कोई उजर-एतराज हो तो वह दिनांक 29-3-2004 को असातन या बकालतन कार्यालय अधोहस्ताक्षरी आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में राजस्व अभिलेख में दर्स्त होती हेतु सम्बन्धित विभाग को आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 4-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

नर सिंह,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री नर सिंह, कार्यकारी दण्डाधिकारी, डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

श्री कस्तूरी लाल पुत्र चूहड़ राम, निवासी गांव डनू, परगना बाथरी, तहसील डलहौजी, हिमाचल प्रदेश

ग्राम जनता वनाम प्रत्यार्थीगण

प्रार्थना पत्र बराए ग्राम पंचायत में परिवार अलग दर्ज करने बारा।

श्री कस्तूरी लाल पुत्र श्री चूहड़ राम, निवासी गांव डनू, डाकघर गोली, परगना बाथरी, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा ने इस कार्यालय में प्रार्थना पत्र मय व्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि वह अपने माता-पिता तथा भाइयों से लगभग 2 वर्षों से अलग रह रहा है लेकिन उसका परिवार ग्राम पंचायत पधरोटू के रजिस्टर भाग-I में संयुक्त दर्ज है। उसका चार प्राणियों का परिवार है जिसमें सर्वश्री (1) प्रार्थी स्वयं, (2) श्रीमति सुषमा देवी पत्नी, (3) नवीन पुत्र तथा (4) शीतल पुत्री है, को ग्राम पंचायत पधरोटू के रजिस्टर/अभिलेख में अलग दर्ज किया जाना उचित है।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इशतहार सूचित किया जाता है कि यदि कस्तूरी लाल के परिवार को अलग दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर एतराज हो तो वह दिनांक 29-3-2004 को असातन या बकालतन कार्यालय अधोहस्ताक्षरी आकर अपना एतराज या आपत्ति दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में ग्राम पंचायत पधरोटू को परिवार अलग दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 4-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

नर सिंह,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
डलहौजी, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री नर सिंह, कार्यकारी दण्डाधिकारी, डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

श्री तिलक राज पुत्र श्री रतन चन्द, निवासी गांव गोली, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

ग्राम जनता वनाम प्रत्यार्थीगण

प्रार्थना पत्र बराए ग्राम पंचायत मनोला के परिवार रजिस्टर में नाम दर्स्त करने बारे।

श्री तिलक राज पुत्र श्री रतन चन्द, निवासी गांव गोली, परगना बाथरी, तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय

में प्रार्थना पत्र मय व्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसके पुत्र पंकज कुमार का नाम गलती से ग्राम पंचायत मनोला में राकेश कुमार दर्ज है। जिसे दर्स्त किया जाना उचित है।

अतः इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को सूचित दिया जाता है कि श्री पंकज कुमार के नाम की दस्तूरी बारे यदि किसी को कोई उजर-एतराज हो तो वह दिनांक 29-3-2004 को असातन या बकालतन कार्यालय अधोहस्ताक्षरी आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में ग्राम पंचायत मनोला को यही नाम पंकज कुमार दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 4-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

नर सिंह,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री नर सिंह, कार्यकारी दण्डाधिकारी, डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

श्री तिलक राज पुत्र श्री रतन चन्द, गांव गोली, तहसील, डलहौजी, हिमाचल प्रदेश

ग्राम जनता वनाम प्रत्यार्थीगण।

प्रार्थना-पत्र बराए ग्राम पंचायत मनोला के अभिलेख में परिवार अलग दर्ज करने बारे।

श्री तिलक राज पुत्र श्री रतन चन्द, गांव गोली, परगना बाथरी तहसील डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र मय व्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि इसका परिवार उसके माता-पिता तथा भाइयों के साथ संयुक्त रूप से ग्राम पंचायत मनोला के परिवार रजिस्टर भाग-I में दर्ज है, जो गलत दर्ज है जिसे अलग दर्ज किया जाना उचित है, क्योंकि वह असे चार साल से अलग रूप में रह रहा है। उसके अपने परिवार के चार सदस्य जिनमें 1. सर्वश्री प्रार्थी स्वयं, 2. श्रीमती कमलेश कुमारी पत्नी, 3. पंकज कुमार, पुत्र, 4. अंजना देवी पुत्री हैं को ग्राम पंचायत मनोला के अभिलेख में अलग से दर्ज किया जाना उचित है।

अतः इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इशतहार सूचित किया जाता है कि यदि प्रार्थी के परिवार को अलग दर्ज करने पर किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 29-3-2004 को असातन या बकालतन कार्यालय अधोहस्ताक्षरी आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने को सूरत में ग्राम पंचायत मनोला को प्रार्थी के परिवार को अलग दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 4-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

नर सिंह,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
डलहौजी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री शिव देव सिंह, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी, दण्डाधिकारी, मुजानपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, निवासी धण्डोलो, डाकघर कनेरड, तहसील मुजानपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

ग्राम जनता वनाम प्रत्यार्थीगण

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, निवासी घण्डोली, डाकघर कनेरड, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर ने इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र पेश किया है कि प्रार्थी के पुत्र विशाल की जन्म तिथि 29-8-2000 की है जो कि अपने निवास गांव घण्डोली में हुआ है। अज्ञानतावश बच्चे की जन्म तिथि पंचायत अभिलेख में दर्ज नहीं करवा पाया। अतः उपरोक्त बच्चे की जन्म तिथि दर्ज करने वाले सचिव, ग्राम पंचायत को आदेश पारित किए जाएं।

इस नोटिस द्वारा समस्त जनता व सभी सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त बच्चे विशाल की जन्म तिथि पंजीकृत करने वाले अगर किसी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को इस अदालत में हाजिर असालतन या वकालतन आकर अपना उजर पेश कर सकता है। वसूरत गैर-हाजरी उपरोक्त बच्चे की जन्म तिथि पंजीकृत करने वाले आदेश पारित कर दिये जाएंगे।

आज दिनांक 13-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। शिव देव सिंह,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी  
दण्डाधिकारी, सुजानपुर, जिला हमीरपुर,  
हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री शिव देव सिंह, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी  
दण्डाधिकारी, सुजानपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

धीनती पूनम पत्नी श्री कमल जीत, गांव डूहक, डाकघर चौरी,  
तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

बनाम  
ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

श्रीमती पूनम पत्नी श्री कमल जीत, निवासी डूहक, डाकघर चौरी, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश ने इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र दायर किया है कि प्रार्थी की पुत्री शालनी वर्मा की जन्म तिथि 2-2-2001 को गांव डूहक, डाकघर चौरी, तहसील सुजानपुर में अपने निवास स्थान पर हुई है। प्रायिका अज्ञानतावश पंचायत रिकार्ड (अभिलेख) में अपनी पुत्री का नाम दर्ज नहीं करवा सका। अतः अब शालनी वर्मा की जन्म तिथि दर्ज पंजीकृत करने हेतु सचिव, ग्राम पंचायत को आदेश पारित किये जाएं।

इस नोटिस द्वारा समस्त जनता एवं सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त बच्ची की जन्म तिथि बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह अपना एतराज असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 25-3-2004 को हाजिर आकर अपना उजर/एतराज पेश कर सकता है। वसूरत गैर-हाजरी उपरोक्त बच्ची की जन्म तिथि दर्ज (पंजीकृत) करने वाले आदेश पारित कर दिये जाएंगे।

आज दिनांक 13-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। शिव देव सिंह,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी,  
दण्डाधिकारी, सुजानपुर, जिला हमीरपुर,  
हिमाचल प्रदेश।

PROCLAMATION UNDER ORDER 5, RULE 20, CPC  
In the Court of Civil Judge (Jr. Division) 1st Class, Kangra,  
Himachal Pradesh

Civil Suit No. : 28-1/03

Peshi : 29-3-2004

Gurdave Singh s/o Smt. Champa Devi w/o Birbal  
alias Balwant Ram, r/o Mohal Chuharu, Mauza Takipur,

Tehsil and District Kangra, Himachal Pradesh

.. Plaintiff.

Versus

1. General public, 2. Smt. Champa Devi w/o Shri  
Birbal alias Balwant Ram, r/o Mohal Chuharu, Mauza  
Takipur, Tehsil and District Kangra, Himachal Pradesh  
.. Defendants.

Suit for the grant of decree of declaration.

Notice to.—1. General Public, 2. Smt. Champa Devi  
w/o Shri Birbal alias Balwant Ram, r/o  
Mohal Chuharu, Mauza Takipur,  
Tehsil and District Kangra, Himachal  
Pradesh  
.. Defendants.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of the court that above named defendant is avoiding service of summons and cannot be served in the ordinary way. Hence this proclamation is hereby issued against him to appear in this court on 29-3-2004 at 10 A.M. to defend the case personally or through an authorised agent or pleader failing which *ex parte* proceedings will be taken against him.

Given under my hand and the seal of the Court this  
6th day of January, 2004.

Seal.

Sd/-  
Civil Judge (Jr. Divn.) 1st Class,  
Kangra (H. P.).

व अदालत श्री सन्त राम ठाकुर, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी  
दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

मुकद्मा नम्बर : 23/2003

यंगजोम

बनाम

ग्राम जनता

विषय.—प्रार्थना पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री यंगजोम पुत्र श्री पेमो दू द्यू निवासी मकलोडगंज, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्मा दायर किया है कि उसका जन्म दिनांक 15-3-1982 को हुआ है परन्तु एम0 सी0, धर्मशाला में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किए जाने के आदेश पारित किए जाएं।

इस नोटिस द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त यंगजोम की जन्म तिथि पंजीकरण किए जाने वाले कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 29-3-2004 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किए जाने वाले आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 30-1-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

सन्त राम ठाकुर,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री सन्त राम ठाकुर, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी  
दण्डाधिकारी, धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

आज दिनांक 30-1-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
द्वारा जारी किया गया ।

मुकद्दमा नं० : 6/04

मोहर ।

सन्त राम ठाकुर,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) ।

चोपुक

बनाम

ग्राम जनता

ब अदालत श्री सन्त राम ठाकुर, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी  
दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं० 3/04

श्री ताशी यंगजोम

बनाम

ग्राम जनता

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

श्री चोपुक पत्नी श्री भुटुक निवासी मकलोडगंज, तहसील  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित  
मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र तेनजिन हाकपा की  
जन्म तिथि दिनांक 19-1-1987 है परन्तु एम० सी०  
धर्मशाला में जन्म पंजीकृत न है । अतः इसे पंजीकृत किये जाने  
के आदेश दिये जायें ।

इस नोटिस द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को  
सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त तेनजिन हाकपा  
की जन्म तिथि पंजीकरण किये जाने वाले कोई एतराज हो तो वह  
अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 29-3-2004 को  
असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर  
सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये  
जाने वाले आदेश पारित कर दिये जायेंगे ।

श्री ताशी यंगजोम पत्नी श्री तल्लुटरीम कलसंग, निवासी मकलोडगंज,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुक-  
द्दमा दायर किया है कि उसकी पुत्री नाम तेनजिन चोयेजिन का जन्म  
दिनांक 7-4-1987 को हुआ है परन्तु एम० सी० धर्मशाला में जन्म  
तिथि पंजीकृत न है । अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जाएं ।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित  
सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त  
तेनजिन चोयेजिन की जन्म तिथि पंजीकरण किये जाने वाले कोई  
एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक  
29-3-2004 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना  
एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि  
पंजीकृत किये जाने वाले आदेश पारित कर दिये जाएंगे ।

आज दिनांक 31-1-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
द्वारा जारी किया गया ।

आज दिनांक 31-1-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
द्वारा जारी किया गया ।

मोहर ।

सन्त राम ठाकुर,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) ।

ब अदालत श्री सन्त राम ठाकुर, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी  
दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मोहर ।

सन्त राम ठाकुर,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) ।

मुकद्दमा नं० 5/04

श्रीमती ताशी डोलमा

बनाम

ग्राम जनता

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

ब अदालत श्री सन्त राम ठाकुर, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी  
दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं० 2/04

श्री तेनजिन लाहमो

बनाम

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता ।

श्रीमती ताशी डोलमा पति श्री कर्मा दोरजो, नि० विबतियन लाईब्रेरी  
धर्मशाला, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र  
सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र नाम तेनजिन चोयसंग  
का जन्म दिनांक ..... को हुआ है परन्तु एम० सी० धर्मशाला में  
जन्म तिथि पंजीकृत न है । अतः इसे पंजीकृत करने के आदेश  
दिये जाएं ।

श्री तेनजिन लाहमो पुत्र श्री परनो चोलजो निवासी फोसित गंज, तह-  
सील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा  
दायर किया है कि उसके पुत्र नाम तेनजिन लाहमो की जन्म तिथि  
दिनांक 31-5-1975 है परन्तु एम० सी० धर्मशाला में जन्म तिथि  
पंजीकृत न है । अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जाएं ।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्ब-  
न्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को भी उपरोक्त  
तेनजिन लाहमो की जन्म तिथि पंजीकरण किये जाने वाले कोई एतराज

इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित सम्ब-  
न्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को भी उपरोक्त  
तेनजिन लाहमो की जन्म तिथि पंजीकरण किये जाने वाले कोई एतराज

हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 29-3-2004 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने वाले आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 31-1-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

सन्त राम ठाकुर,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

व अदालत श्री सन्त राम ठाकुर, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)

श्री दोभोला

बनाम

ग्राम जनता

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री दोभोला पुत्र श्री कोचन, निवासी टी० सी० डी० धर्मशाला कैंट, ष० धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्मा दायर किया है कि उसके पुत्र तेनजिन नांगसेल का जन्म दिनांक 15-5-1990 को हुआ है परन्तु एम० सी० धर्मशाला में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त तेनजिन नांगसेल का जन्म पंजीकरण किये जाने वाले कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 29-3-04 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किये जाने वाले आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 31-1-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

सन्त राम ठाकुर,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)

व अदालत श्री सन्त राम ठाकुर, नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं० 1/04

श्री Tsering Youdon बनाम

ग्राम जनता।

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) हि० प्र० पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री Tsering Youdon पत्नी श्री Phuntsok, मकलोडगंज, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्मा दायर किया है कि उसकी पुत्री नाम Yangchen Lhama का जन्म दिनांक 27-11-1987 है परन्तु एम० सी० धर्मशाला में जन्म तिथि पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किये जाने के आदेश दिये जायें।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त Yangchen Lhama का जन्म तिथि पंजीकरण किये जाने वाले कोई एतराज हो

तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 29-3-2004 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र तिथि पंजीकृत किये जाने वाले आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 30-1-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

सन्त राम ठाकुर,  
नायब-तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

व अदालत श्री राकेश ठाकुर, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, इन्दौर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)

मु० नं० : 12/तह०/04 (तकसीम) ता० पेशी : 29-3-2004

श्री जीता राम पुत्र श्री साईदास पुत्र लक्ष्मण, वासी उलैहड़ियां, तहसील इन्दौर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)

बनाम

1. शमशेर सिंह पुत्र व 2. श्रीमती हरनामो देवी विधवा राज कुमार पुत्र खुसीया, 3. राम लाल, 4. सुख राम पुत्र व 5. श्रीमती मंगती व 6. श्रीमती निर्मला पुत्रियां खुसीया, 7. कुलदीप राम पुत्र बलदेव सिंह वासीगण उलैहड़ियां, तहसील इन्दौर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) प्रतिवादीगण।

विषय.—प्रार्थना-पत्र बराये तकसीस अराजी खाता नं० 202, खतौनी नं० 440-441, खसरा नं० 981-1177-1218, किता 3, रकबा तादादी 0-48-11 है०, मुहाल उलैहड़ियां, तहसील इन्दौर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) जमाबन्दी वर्ष 1997-98.

प्रार्थना-पत्र शीर्ष जीता राम बनाम शमशेर सिंह आदि बराये तकसीस अराजी खाता नं० 202, खतौनी नं० 440-441, खसरा नं० 981-1177-1218, किता 3, तादादी 0-48-11 है०, जमाबन्दी वर्ष 1997-98, मुहाल उलैहड़ियां, तहसील इन्दौर, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश ने इस अदालत हजा में जेरे समागत है। इसमें प्रतिवादी क्र० 3. श्री राम लाल पुत्र खुसीया पुत्र गिट, निवासी उलैहड़ियां, तहसील इन्दौर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश को जारी किए गए समनों में प्रतिवादी की तामील न हुई है। इस अदालत हजा को अब पूर्ण सन्तुष्टी हो चुकी है कि उक्त प्रतिवादी क्र० 3. श्री राम लाल की तामील साधारण ढंग से होनी असम्भव है।

अतः इस इस्तहार राजपत्र द्वारा प्रतिवादी क्र० 3. श्री राम लाल को सूचित किया जाता है कि वह जहां कहीं भी है, निर्धारित तिथि 29-3-2004 को बरबक 10.00 बजे इस अदालत हजा में असालतन या वकालतन हाजिर आकर मुकद्मा की पैरवी करें। हाजिर न आने की सूत में उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 1-3-2004 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राकेश ठाकुर,  
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,  
इन्दौर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

व अदालत श्री जी० डी० चौधरी, कार्यकारी दण्डाधिकारी शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री रसीला राम, निवासी बसनूर, तहसील शाहपुर

ग्राम जनता

प्रतिवादी।

विषय :—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.



श्री जसवन्त सिंह पुत्र रसीला राम, निवासी बमनूर ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसकी पत्नी अंचल चौधरी पुत्री रविन्द्र कुमार का जन्म 18-5-2001 को गांव बमनूर में हुआ था परन्तु वह अज्ञानतावश उसका नाम गांव की पंचायत के रिकार्ड में दर्ज न करा सका।

अतः इस इशतहार द्वारा सर्वसाधारण व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त यच्ची के जन्म बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह अपना एतराज असातन या वकालतन दिनांक 26-3-2004 को हाजिर अदालत आकर पेश कर सकता है अन्यथा उक्त तिथि को कार्यवाही एकतरफा अमल में लाते हुए सम्बन्धित ग्राम पंचायत को अंचल चौधरी के जन्म तिथि रिकार्ड में दर्ज करने के आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

यह इशतहार आज दिनांक 24-2-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।  
जो0 डी0 चौधरी,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री जी0 डी0 चौधरी, कार्यकारी दण्डाधिकारी, शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती सुकेश कुमारी पत्नी सुशील कुमार, निवासी रैत  
रैत  
बनाम  
ग्राम जनता .. प्रतिवादी।

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती सुकेश कुमारी पत्नी सुशील कुमार, निवासी रैत, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसकी लड़की सुष्टि शर्मा का जन्म 28 सितम्बर, 1995 को गांव रैत में हुआ था परन्तु अज्ञानतावश वह उसका नाम गांव की पंचायत के रिकार्ड में दर्ज न करा सकी।

अतः इस इशतहार द्वारा सर्वसाधारण एवं सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त बच्ची के जन्म तिथि बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह अपना एतराज दिनांक 26-3-2004 को असातन या वकालतन प्रातः 10 बजे हाजिर अदालत आकर पेश कर सकता है अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाते हुए सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उक्त बच्ची के जन्म पंजीयन आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

यह इशतहार आज दिनांक 24-2-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।  
जी0 डी0 चौधरी,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

न्यायालय श्री सोहन लाल शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, थुरल, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)

किस्म : जन्म पंजीकरण। तिथि पेशी : 29-3-2004.

पंचम सिंह पुत्र स्व0 लाल सिंह, निवासी भाटी लुहार पंगा, डाकघर साई, उप-तहसील थुरल, जिला कांगड़ा हिमाचल, प्रदेश .. प्रार्थीन।

बनाम  
ग्राम जनता .. प्रतिवादीगण।

उपरोक्त वर्णित प्रार्थी ने असातन हाजिर होकर जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 की धारा 13(3) के तहत अपनी पुत्री प्रियंका, जो कि 8 अप्रैल, 2001 को जन्मी है के

जन्म को पंजीकृत करवाने हेतु प्रकरण दायर किया है। प्रार्थी के अनुसार वह अज्ञानतावश अपनी पुत्री के जन्म को स्थानीय पंचायत अभिलेख में दर्ज न करा सका है तथा वह न्यायालय से आदेश प्राप्त करके अपनी पुत्री की जन्म तिथि को पंजीकृत करवाना चाहता है।

अतः इस विज्ञप्ति के माध्यम से ग्राम जनता व हिन्दू धर्मावलम्बी या संस्था को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को प्रियंका की जन्म तिथि पंजीकरण करने बारे आपत्ति हो तो वह दिनांक 29-3-2004 को असातन या वकालतन हाजिर होकर प्रकरण पर आपत्ति दायर कर सकता है अन्यथा इस तारीख को किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में ग्राम जनता के खिलाफ एक पक्षीय कार्यवाही बनल में लाई जाएगी तथा जन्म पंजीकरण के आदेश पारित कर दिए जायेंगे।

आज दिनांक 3-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।  
सोहन लाल शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
थुरल, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

व अदालत श्री राम कुमार गौतम, एच0 ए0 एम0, उप-मण्डल मैजिस्ट्रेट, मनाली, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती आशा नेगी पत्नी श्री मोहन सिंह नेगी, निवासी गोम्पा रोड, मनाली, तहसील मनाली, जिला कुल्लू।

बनाम  
ग्राम जनता

बरखास्त बराये नाम की शुद्धि करने बारे।

श्रीमती आशा नेगी पत्नी श्री मोहन सिंह नेगी ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र पेश किया है कि उनके पुत्र नवांग पोलजर के जन्म प्रमाण-पत्र में उसका तथा उसके पति का नाम नगर पंचायत मनाली में श्रीमती आशा नेगी तथा श्री मोहन सिंह नेगी के बजाये छेरिंग यंगडोन तथा लोटू लिखा गया है, जो गलत है तथा इसे बदल कर दुरुस्त किया जावे।

अतः इस अदालती इशतहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त प्रार्थी के तथा उनके पति के नाम की शुद्धि में किसी को किसी प्रकार का एतराज हो तो वह दिनांक 29-3-2004 को या इससे पूर्व इस अदालत में हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा उक्त प्रार्थी के नाम शुद्धि हेतु आदेश जारी कर दिए जायेंगे।

आज दिनांक 28-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत हाजिर जारी हुआ।

मोहर।  
राम कुमार गौतम,  
उप-मण्डल मैजिस्ट्रेट,  
मनाली, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री अमर सिंह वर्मा, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, तहसील थुनाग, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मि0 नं0 : 22/2003. तारीख पेशी : 27-3-2004.

मुकद्दमा : तकसीम भूमि।

1. मगलू पुत्र बलेश्वर पुत्र लोभा राम, निवासी मुहाल बलोघार, तहसील थुनाग, जिला मण्डी (हि0 प्र0) .. फरीक दोयम।

बनाम

सर्वेधी 1. चैतन्य पुत्र चन्द, 2. हुक्मी राम, 3. डोले राम, 4. दीलत राम पुत्रगण शाहडू, 5. श्याम पुत्र चन्द, 6. केशव राम, 7. ददा राम पुत्रगण, 8. त्रेस्ती पुत्री देवकी, 9. तारा चन्द, 10. अमर सिंह, 11. नरोत्तमा, 12. दविन्द्रा, 13. हिमा देवी पुत्रिया, 14. त्रेस्ती पिथवा शाहडू,

निवासीगण मुहाल जैशला, 15. वृधि, 16. भदरी, 17. खोमी पुत्रियां, 18. मेहन, 19. गौरी पुत्रगण श्रीमती प्यामी, 20. सोभा राम, 21. तारा चन्द, 22. दिले राम पुत्रगण शाहू, निवासीगण वाया थाव, मुहाल बलीधर, 23. मानदासी, 24. बालरू पुत्रियां सोजू साकिनान मुहाल बलीधर, ईलाका बूंगा, तहसील थुनाग, जिला मण्डी (हि० प्र०) ... फरीकदोयम।

दरखास्त बराये होने तकमीम अन्दर खाता नम्बर 61 मुहाल बलीधर जेर धारा 123 (हि० प्र०) भू-राजस्व अधिनियम, 1954.

उपरोक्त वर्णित मुकद्दमा तकसीम में प्रतिवादीगण संख्या 6. केशव राम, 8. ब्रेस्ती देवी, 16. भदरी, 17. खोमी, 18. मेहन, 19. गौरी तथा मृतका मानदासी, 23 तथा 24. बालरू के जायज वारतानों को इस अदालत द्वारा बार-बार समन जारी किए गए परन्तु उन पर समन की तामील साधारण तरीके से न होना पाई जा रही है। चूंकि प्रतिवादीगण दूर-दराज स्थान पर रहते हैं तथा समन तामील साधारण तरीके से न होने पर इस अदालत को विश्वास हो चुका है कि साधारण तरीके से उक्त फरीक दोयम पर समन तामील होना असम्भव है।

अतः उपरान्त वर्णित फरीकैन को इस इशतहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 27-3-2004 को प्रातः 10.00 बजे मुकाम अदालत तहसील थुनाग, जिला मण्डी में असालतन/वकालतन हाजिर होकर पैरवी मुकद्दमा करें अन्यथा शदम पैरवी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 2-3-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

अमर सिंह वर्मा,  
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,  
तहसील थुनाग, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

In the Court of Shri P. S. Rana District Judge, Kinnaur,  
Civil Division at Rampur Bushahr, District Shimla (H. P.)

In Re :-

Krishan Lal Versus General Public and Ors.  
G and W Act No. 4-R/2 of 2003.

Next date of hearing 29-3-2004.

Krishan Lal s/o Shri Shyam Lal, r/o Village Maghara,  
P. O. Majheoli, Tehsil Rampur Bushahr, District  
Shimla, Himachal Pradesh. Applicant.

Versus

1. The general public.

2. Smt. Pritma Devi w/o Shri Chaman Lal, r/o Vil-  
lage Ghaat, P. O. Dev Naga, Tehsil Rampur Bushahr,  
District Shimla (H. P.) Respondents.

PETITION UNDER SECTION 10 OF THE GUAR-  
DIAN AND WARD ACT, 1870

Notice to :-

1. The general public.

Whereas in the above noted case the petitioner  
Shri Krishan Lal has filed the petition under section 10  
of the Guardian and Ward Act, 1870 and the same is  
fixed for the service of Respondent No. 1, The general  
public.

Hence, this proclamation under Order 5, Rule 20  
(1-A) is hereby issued against the above noted defend-  
ant to appear before this court on 29-3-2004 at 10.00  
A. M. personally or through authorised agent or pleader  
to defend the case, failing which the above noted de-  
fendant will be proceeded against ex parte.

Given under my hand and seal of the Court, today  
this 5th day of March, 2004.

Seal.

P. S. RANA,  
District Judge,  
Kinnaur, Civil Division at Rampur Bushahr  
District Shimla (H. P.).

ब अदालत श्री ओ० पी० कान्त, उप-मण्डल दण्डाधिकारी (ग्रा०),  
शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती माया शर्मा पत्नी श्री राकेश कुमार, निवासी ग्राम  
माहौरी कुफटा, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969 बाबत नाम व जन्म तिथि पंचायत अभिलेख में  
दर्ज करने बारे।

श्रीमती माया शर्मा ने इस अदालत में एक आवेदन-पत्र इस आशय  
के साथ गुजारा है कि उसकी पुत्री स्वदेश कुमारी का नाम बदल  
कर मोनिका शर्मा रखना चाहती है जो कि ग्राम पंचायत आन्नदपुर  
के अभिलेख में दर्ज नहीं कर रखी है।

अतः इस अदालती इशतहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया  
जाता है कि यदि किसी को भी उक्त आवेदक की बेटी का नाम  
उनकी ग्राम पंचायत आन्नदपुर के अभिलेख में दर्ज करने में कोई  
आपत्ति हो तो वह अपना आपत्तिनामा दिनांक 30-3-2004 तक या  
उससे पूर्व इस अदालत में हाजिर होकर प्रस्तुत कर सकता है  
अन्यथा सचिव, ग्राम पंचायत सम्बन्धित को नाम व जन्म तिथि  
उनकी पंचायत के अभिलेख में दर्ज करने के आदेश पारित कर  
दिए जाएंगे।

अतः दिनांक 3-3-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
सहित जारी हुआ।

मोहर।

ओ० पी० कान्त,  
उप-मण्डल दण्डाधिकारी (ग्रा०),  
शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री किरपा राम शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी नेरवा,  
जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

श्री शिणू राम पुत्र श्री राम दास, ग्राम क्यार, परगना चन्दलोग,  
उप-तहसील नेरवा।

बनाम

ग्राम जनता

श्री शिणू राम पुत्र श्री रती राम, ग्राम क्यार, परगना चन्दलोग  
ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा रखा है कि उसने अपनी दो  
पौतियों का नाम व जन्म तिथि अपनी गलती के कारण ग्राम  
पंचायत नेरवा में दर्ज नहीं करवाई है। अब दर्ज करवाना चाहता  
है।

1. कुमारी पूजा पुत्री श्री राम लाल, जन्म तिथि 27-9-1998  
2. कुमारी काजल पुत्री श्री राम लाल, जन्म तिथि 16-5-2000.

ग्राम जनता को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता  
है कि यदि किसी को आवेदक की पौतियों का नाम व जन्म तिथि  
दर्ज करने बारे कोई उजर व एतराज हो तो वह अपना उजर  
मिति 26-3-2004 को या इससे पूर्व इस कार्यालय में आकर पेश  
कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न

होने पर प्रार्थना पत्र श्री भिणू राम पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 1 मार्च, 2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ है।

मोहर।

किरपा राम शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी नैरवा,  
जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री संजीव शर्मा, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री विनय मोदी पुत्र श्री श्याम लाल मोदी, ग्राम व डाकघर सराहा, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

बनाम  
ग्राम जनता

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्री विनय मोदी पुत्र श्री श्याम लाल मोदी, निवासी ग्राम व डाकघर सराहा, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र पेश किया है कि उसकी पुत्री सारा पुत्री विनय मोदी का जन्म दिनांक 18-2-2002 को हुआ है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत सराहा, तहसील पच्छाद में दर्ज नहीं हुआ है।

अतः इस अदालती इस्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त नाम व जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने वाले किसी को कोई एतराज हो तो वह तिथि 27-3-2004 को या इससे पूर्व अदालत में हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा सचिव, ग्राम पंचायत को सम्बन्धित उक्त नाम व जन्म तिथि दर्ज करने वाले आदेश जारी कर दिये जाएंगे।

मोहर।

संजीव शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
पच्छाद, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री संजीव शर्मा, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री रमेश चन्द पुत्र श्री धनू राम, ग्राम भौड़ी, डाकघर वासनी, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

बनाम  
ग्राम जनता

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्री रमेश चन्द पुत्र श्री धनू राम, निवासी ग्राम भौड़ी, डाकघर वासनी, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र पेश किया है कि उसका जन्म दिनांक 15-8-1966 को हुआ है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत चम्बेन्जी, तहसील पच्छाद में दर्ज नहीं हुआ है।

अतः इस अदालती इस्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त नाम व जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने वाले किसी को कोई एतराज हो तो वह तिथि 27-3-2004 को या इससे पूर्व अदालत में हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा सचिव, ग्राम पंचायत को सम्बन्धित उक्त नाम व जन्म तिथि दर्ज करने वाले आदेश जारी कर दिये जाएंगे।

मोहर।

संजीव शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
पच्छाद, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री संजीव शर्मा, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री विनय कुमार पुत्र श्री राम नाथ, ग्राम व डाकघर सराहा, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

बनाम  
ग्राम जनता

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्री विनय कुमार पुत्र श्री राम नाथ, निवासी ग्राम व डाकघर सराहा, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र पेश किया है कि उसका जन्म दिनांक 24-10-1966 को हुआ है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत सराहा, तहसील पच्छाद में दर्ज नहीं हुआ है।

अतः इस अदालती इस्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त नाम व जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने वाले किसी को कोई एतराज हो तो वह तिथि 27-3-2004 को या इससे पूर्व अदालत में हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा सचिव, ग्राम पंचायत को सम्बन्धित उक्त नाम व जन्म तिथि दर्ज करने वाले आदेश जारी कर दिये जाएंगे।

मोहर।

संजीव शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
पच्छाद, जिला सिरमौर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री संजीव शर्मा, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री प्रेम पाल पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह, ग्राम कलसर बलावग, डाकघर गागल शिकोर, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

बनाम  
ग्राम जनता

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्री प्रेम पाल पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम कलसर बलावग, डाकघर गागल शिकोर, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में पेश किया कि उसके पुत्र जय प्रकाश पुत्र सुरेन्द्र सिंह का जन्म दिनांक 13-11-1997 को हुआ है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत बजगा, तहसील पच्छाद में दर्ज नहीं हुआ है।

अतः इस अदालती इस्तहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त नाम व तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने वाले किसी को कोई एतराज हो तो वह तिथि 27-3-2004 को या इससे पूर्व अदालत में हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा सचिव, ग्राम पंचायत को सम्बन्धित उक्त नाम व तिथि दर्ज करने वाले आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

मोहर।

संजीव शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
पच्छाद, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री सी० पी० वर्मा, उप-मण्डल दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब,  
जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री खतरी राम सुपुत्र भलखू राम, निवासी कांडो नदी, तहसील  
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि० प्र०) ।

बनाम

ग्राम जनता

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

श्री खतरी राम सुपुत्र श्री भलखू राम, निवासी काण्डो नदी  
तहसील पांवटा साहिब ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि  
उसने अपने भाई किशना राम के लड़के विक्रम सिंह को Adopt  
किया है। Adoption Deed दिनांक 25-7-2002 को उप-  
पंजीपाल पांवटा साहिब द्वारा पंजीकृत करवाई गई है। अब प्रार्थी  
विक्रम सिंह के पिताजी का नाम किशना राम की जगह अपना  
नाम ग्राम पंचायत मालगी के परिवार रजिस्टर में दर्ज करवाना  
चाहता है अर्थात् विक्रम सिंह सुपुत्र खतरी राम पंचायत रिकार्ड  
में दर्ज किया जाए।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है  
कि यदि किसी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक  
28-3-2004 को प्रातः 10.00 बजे अदालत हुआ स्थित पांवटा साहिब में  
असालतन अथवा बकालतन हाजिर आकर अपनी स्थिति/एतराज  
प्रस्तुत कर सकता है। निश्चित तिथि पर कोई एतराज प्राप्त न  
होने की सूरत में प्रार्थना-पत्र श्री खतरी राम पर नियमानुसार  
कार्यवाही कर दी जायेगी।

आज दिनांक 28-1-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
द्वारा जारी किया गया।

मोहर । सी० पी० वर्मा,  
उप-मण्डल कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि० प्र०) ।

ब अदालत श्री सन्त राम शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, शिलाई,  
जिला सिरमौर (हि० प्र०)

श्री जय सिंह पुत्र श्री सोहनू, निवासी वाली, तहसील शिलाई,  
जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 14-15 जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

श्री जय सिंह पुत्र सोहनू, निवासी वाली ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र  
दिया है कि उसकी जन्म तिथि 26-3-1985 है परन्तु पंचायत रिकार्ड  
बालो कोटी में उसकी जन्म तिथि 26-3-1980 दर्ज की गई है,  
जो गलत है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि  
यदि इस बारे किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 26-4-2004  
को 10.00 बजे अदालत हुआ स्थित शिलाई में असालतन अथवा  
बकालतन हाजिर आकर अपनी स्थिति/एतराज प्रस्तुत कर सकता है।  
निश्चित तिथि पर कोई एतराज प्राप्त न होने की सूरत में प्रार्थना-  
पत्र श्री जय सिंह पर नियमानुसार कार्यवाही कर दी जायेगी।

आज दिनांक 26-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
द्वारा जारी किया गया।

मोहर । सन्त राम शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
शिलाई, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ।

ब अदालत श्री सन्त राम शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, शिलाई,  
जिला सिरमौर (हि० प्र०)

श्री जालम सिंह पुत्र श्री बुधुवा, निवासी सियारी (टिम्बी). तहसील  
शिलाई, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ।

बनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 14-15 जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम,  
1969.

श्री जालम सिंह पुत्र बुधुवा ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र दिया है  
कि उसके बच्चों कुमारी आशा देवी दिनांक 15-6-1997, व  
मिस्टर केवल राम 10-12-1998 है परन्तु पंचायत रिकार्ड अशयाड़ी  
में उसके बच्चों के नाम व जन्म तिथियां दर्ज नहीं हैं, जो कि  
गलत है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि  
यदि इस बारे किसी व्यक्ति को कोई एतराज हो तो वह दिनांक  
28-3-2004 को 10.00 बजे अदालत हुआ स्थित शिलाई में असा-  
लतन अथवा बकालतन हाजिर आकर अपनी स्थिति/एतराज प्रस्तुत कर  
सकता है। निश्चित तिथि पर कोई एतराज प्राप्त न होने की सूरत में  
प्रार्थना-पत्र श्री जालम सिंह पर नियमानुसार कार्यवाही कर दी  
जाएगी।

आज दिनांक 28-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा  
जारी किया गया।

मोहर । सन्त राम शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
शिलाई, जिला सिरमौर (हि० प्र०) ।

ब अदालत श्री ए० एल० शर्मा, रजिस्ट्रेशन एवं मैरिज ऑफिसर, अम्ब,  
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

विषय.—शादी पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान करने बारे।

जतिन्द्र कुमार कैंग बनाम ग्राम जनता

श्री जतिन्द्र कुमार कैंग पुत्र श्रीम प्रकाश कैंग, गांव बढेड़ा राजपूतां,  
डाकघर बढेड़ा राजपूतां, तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ने  
एक दरखास्त प्रस्तुत की है जिसमें उसने लिखा है कि उसकी शादी  
नवनीत कौर सुपुत्री श्री सुरेन्द्रजीत सिंह, गांव व डाकघर पंहर खुर्द,  
तहसील राजपुरा, जिला पटियाला के साथ दिनांक 19-2-2004 को  
हुई है, का पंजीकरण किया जाकर उसे शादी पंजीकरण प्रमाण-पत्र  
दिया जावे।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता तथा  
सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को  
शादी पंजीकरण बारे कोई एतराज/आपत्ति हो तो वह दिनांक  
27-3-2004 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या बकालतन हाजिर  
होकर पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाई अमल में लाई जाकर  
प्रार्थी को शादी पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाएगा तथा  
बाद में कोई उजर काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 25-2-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
से जारी हुआ।

मोहर । ए० एल० शर्मा,  
रजिस्ट्रेशन एवं मैरिज ऑफिसर,  
अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

ब अदालत श्री ए० एल० शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

ब अदालत श्री ए० एल० शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री कश्मीर सिंह निवासी डंगोह, तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

श्रीमती मरला देवी पत्नी श्री मोहन सिंह, निवासी गांव डंगोह, तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

बनाम

ग्राम जनता

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

नोटिस बनाम ग्राम जनता

श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री कश्मीर सिंह, निवासी डंगोह, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०) ने इस कार्यालय में एक दरखास्त गुजारी है कि उसकी बेटी का जन्म दिनांक 30-9-1998 को हुआ था और उसका नाम पंचायत रिकार्ड डंगोह में दर्ज करवाया था परन्तु पंचायत रिकार्ड में लड़की के नाम की जगह उसकी माँ का नाम कुसुम लता दर्ज है और माँ के नाम की जगह लड़की का नाम शिखा देवी दर्ज है, जो गलत है। पंचायत रिकार्ड में उसकी बेटी का नाम कुसुम लता की जगह शिखा देवी व बेटी के नाम की जगह श्रीमती कुसुम लता दर्ज किया जावे, जो सही है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को नाम की दुस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दुस्ती बारे आदेश पंचायत को जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 24-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

ए० एल० शर्मा,  
उप-मण्डलाधिकारी (ना०),  
अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री ए० एल० शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री मस्त राम, निवासी गांव सलोह बैरी, तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

बनाम

ग्राम जनता

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

प्राथना-पत्र जेर द्वारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री मस्त राम, निवासी गांव सलोह बैरी, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०) ने इस कार्यालय में एक दरखास्त गुजारी कि उसके लड़के का नाम पंचायत रिकार्ड सलोह बैरी में संजीव कुमार पठानिया व लड़की का नाम तमन्ना दर्ज है, जो गलत है जबकि उनका सही नाम साहिल पठानिया व साक्षी पठानिया है, जो कि सही है। अतः पंचायत रिकार्ड में उसका नाम संजीव कुमार पठानिया की जगह साहिल पठानिया व तमन्ना की जगह साक्षी पठानिया दर्ज किया जावे, जो सही है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी व्यक्ति को उपरोक्त नामों की दुस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। पेश न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दुस्ती बारे आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 24-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

ए० एल० शर्मा,  
उप-मण्डलाधिकारी (ना०),  
अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

मोहर।

ए० एल० शर्मा,  
उप-मण्डलाधिकारी (ना०),  
अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को प्रातः 10.00 बजे अदालत हुआ स्थित अम्ब में असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रांत-यल श्री देव राज पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 24-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

व अदालत श्री ए० एल० शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), अम्ब,  
जिला ऊना (हि० प्र०)

श्रीमती निर्मला देवी पत्नी स्व० श्री चमन लाल, निवासी अमलैहड़,  
तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

बनाम

ग्राम जनता

दरखास्त जेर द्वारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण  
अधिनियम, 1969.

श्रीमती निर्मला देवी पत्नी स्व० श्री चमन लाल, निवासी अमलैहड़ ने इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसकी सास श्रीमती बिल्ली देवी विधवा स्व० श्री बचि सिंह की मृत्यु दिनांक 1-8-2002 को हुई थी परन्तु अज्ञाततावश वह उनकी मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत अमलैहड़ के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सकी है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को प्रातः 10.00 बजे अदालत हुआ स्थित अम्ब में अदालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपाति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्रीमती निर्मला देवी पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 24-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

मोहर।

ए० एल० शर्मा,  
उप-मण्डलाधिकारी (ना०),  
अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री ए० एल० शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), अम्ब,  
जिला ऊना (हि० प्र०)

श्री अनिल कुमार पुत्र श्री विंशन दास, निवासी गांव दोलतपुर चौक,  
तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

बनाम

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री अनिल कुमार पुत्र श्री विंशन दास, निवासी गांव दोलतपुर चौक, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०) ने इस कार्यालय में एक दरखास्त गुजारी है कि उसकी बेटी का नाम पंचायत रिकार्ड में तमन्ना दर्ज है, जो कि गलत है जबकि उसने अपनी बेटी का नाम बदल कर आशिमा चौधरी रख लिया है। अतः पंचायत रिकार्ड/नगर पंचायत रिकार्ड दोलतपुर चौक में उसकी बेटी का नाम तमन्ना में बदल कर आशिमा चौधरी दर्ज किया जावे, जो सही है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी व्यक्ति को नाम दहस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को अपना उजर या एतराज इस कार्यालय में पेश कर सकता है। उजर पेश न होने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 24-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

माहर।

ए० एल० शर्मा,  
उप-मण्डलाधिकारी (ना०),  
अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

व अदालत श्री ए० एल० शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), अम्ब,  
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती रीना कुमारी पत्नी श्री करनल सिंह, निवासी गांव रेमापुर,  
तहसील व जिला होशियारपुर (पंजाब)।

बनाम

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्रीमती रीना कुमारी पत्नी श्री करनल सिंह, निवासी गांव रेमापुर, तहसील व जिला होशियारपुर (पंजाब) ने इस कार्यालय में एक दरखास्त गुजारी है कि उसके बेटे का जन्म उसके पिता के गांव धर्मशाल महन्ता में हुआ था। पंचायत में उसके बेटे का नाम नागेश्वर दर्ज है, जो कि गलत है जबकि उसका सही नाम अनिकेत वशिष्ठ है। अतः पंचायत रिकार्ड में उसके बेटे का नाम नागेश्वर की जगह अनिकेत वशिष्ठ दर्ज किया जावे, जो सही है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम की दहस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को अदालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। पेश न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दहस्ती बारे आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 24-2-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

मोहर।

ए० एल० शर्मा,  
उप-मण्डलाधिकारी (ना०),  
अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

व अदालत श्री ए० एल० शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), अम्ब,  
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी गांव कलोह, तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

ग्राम जनता

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी गांव कलोह, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०) ने इस कार्यालय में एक दरखास्त गुजारी है कि उसकी बेटी ज्योति जसवाल का जन्म 31-3-1998 को हुआ लेकिन पंचायत रिकार्ड में उसकी जन्म तिथि दिनांक 31-3-1999 है, जो कि गलत है। अतः पंचायत रिकार्ड में उसकी बेटी की जन्म तिथि 31-3-1999 की जगह 31-3-1998 दर्ज की जावे, जो सही है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त जन्म तिथि दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को अदालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। पेश न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर जन्म तिथि दुरुस्त करने बारे आदेश पंचायत को जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 24-2-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

मोहर।

ए० एल० शर्मा,  
उप-मण्डलाधिकारी (ना०),  
अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।



ब अदालत श्री ए० एल० शर्मा, उप-मण्डलाधिकारी (ना०), अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

व अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, ऊना, जिला ऊना (हि० प्र०)

श्री जतिन्द्र सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह, निवासी गगरेट, तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

श्री कृष्ण कुमार सहोड़ सुपुत्र स्वर्गीय श्री जगत राम सहोड़, गांव व डाकखाना रायपुर सहोड़ा, तहसील व जिला ऊना (हि० प्र०)  
\* \* प्रार्थी।

वनाम

वनाम

ग्राम जनता

ग्राम जनता

\* \* प्रतिवादीगण।

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

विषय—राजस्व अभिलेख में नाम की दस्तुता वारे प्रार्थना-पत्र।

नोटिस :

श्री जतिन्द्र सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह, निवासी गांव गगरेट, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०) ने इस कार्यालय में एक दरखास्त गुजारी है कि उसकी पत्नी का नाम नगर रंचायत रिकार्ड में बबली दर्ज है, जो कि गलत है, जबकि उसका सही नाम श्रेष्ठा कुमारी है। अतः उसकी पत्नी का नाम नगर पंचायत गगरेट में बबली की जगह श्रेष्ठा कुमारी दर्ज किया जावे जो सही है।

प्रार्थी श्री कृष्ण कुमार सहोड़ ने दिनांक 23-7-2002 को एक दरखास्त अदालत हजा में गुजार कर प्रार्थना की है कि राजस्व अभिलेख की खेवट नं० 78, खतोनी नं० 116 जमाबन्दी साल 1997-98 उप महुल रायपुर झिकला व खेवट नं० 72-73, खतोनी नम्बर 151-156, जमाबन्दी साल 1998-99 उप महुल रायपुर उपरला में उसका नाम किशन कुमार वारे इन्द्राज बना आ रहा है जो कि गलत नाम का इन्द्राज है। प्रार्थी ने प्रार्थना की है कि उपरोक्त वर्णित राजस्व अभिलेख में किशन कुमार के स्थान पर "कृष्ण कुमार" नाम की दस्तुती की जाए।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को नाम दुरुस्ती वारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को अदालत या बकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है। न आने की सूत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण एवं ग्राम जनता व वाशिनदगान देह हजा को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को प्रार्थी के नाम की दस्तुती राजस्व अभिलेख में करने वारे कोई उजर एतराज हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन होने के एक माह के भीतर-भीतर पेश कर सकता है। यदि उपरोक्त अवधि के भीतर कोई भी उजर/एतराज प्राप्त नहीं होता तो प्रार्थी के नाम की दस्तुती वारे मजबूत कार्यवाही उपरान्त आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 24-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

आज दिनांक 9-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

ए० एल० शर्मा,  
उप-मण्डलाधिकारी (ना०),  
अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

मोहर।

हस्ताक्षरित/  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता  
प्रथम वर्ग, ऊना (हि० प्र०)।

व अदालत जनाब ए० एल० शर्मा रजिस्ट्रेशन एवं मैरिज आफिसर अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)

विषय:—शादी पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान करने वारे।

व अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, ऊना (हि० प्र०)

राकेश कुमार बनाम ग्राम जनता

हरमेश चन्द पुत्र श्री कश्मीरी नाल, गांव बासी बसाल, तहसील व जिला ऊना (हि० प्र०)  
\* \* प्रार्थी।

श्री राकेश कुमार पुत्र श्री सीता राम, गांव शोयल, डाकखाना शोयल, तहसील अम्ब, जिला ऊना हिमाचल प्रदेश ने एक दरखास्त प्रस्तुत की है जिसमें उसने लिखा है कि उसकी शादी मुखविन्द कौर सुपुत्री श्री तेजा सिंह, गांव व डाकखाना चक्क गुजरा, तहसील होशियारपुर के साथ दिनांक 23-6-2003 को हुई है, का पंजीकरण किया जाकर उसे शादी पंजीकरण प्रमाण-पत्र दिया जावे।

वनाम

ग्राम जनता

\* \* प्रतिवादीगण।

विषय:—दरखास्त बराब किये जाने नाम दस्तुती प्रार्थी।

नोटिस :

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को शादी पंजीकरण वारे एतराज/आपत्ति हो तो वह दिनांक 27-3-2004 को प्रातः 10.00 बजे असालतन/बकालतन हाजिर होकर पेश करे अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर प्रार्थी को शादी पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाएगा तथा बाद में कोई उजर समाप्त न होगा।

प्रार्थी श्री हरमेश चन्द ने अदालत हजा में एक दरखास्त गुजार कर प्रार्थना की है कि मुताबिक नकल जमाबन्दी साल 1998-99 उप-मुहाल खड्डणी, मुहाल बसाल की खेवट नं० 205 मिन, खतोनी नं० 289 के खाना मजकीयती व खाना काश्त तथा इसी प्रकार नकल जमाबन्दी साल 1998-99 उप-मुहाल बसाल, मुहाल बसाल की खेवट 87, खतोनी नं० 130-131 में प्रार्थी के नाम मुकेश कुमार का इन्द्राज बना आ रहा है। प्रार्थी ने प्रार्थना की है कि उपरोक्त वर्णित राजस्व अभिलेख में प्रार्थी के नाम मुकेश कुमार के स्थान पर "हरमेश चन्द" नाम की दस्तुती वारे प्रार्थना की है।

आज दिनांक 25-2-2004 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण ग्राम जनता व वाशिनदगान देह हजा को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के नाम की दस्तुती राजस्व अभिलेख में करने वारे किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह असालतन/बकालतन अदालत हजा में नोटिस के प्रकाशन होने के एक माह के भीतर-भीतर पेश कर सकता है। यदि

मोहर।

ए० एल० शर्मा,  
रजिस्ट्रेशन एवं मैरिज आफिसर,  
अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

उपरोक्त अवधि के भीतर किसी की ओर से कोई भी उजर/एतराज प्राप्त नहीं होता तो प्रार्थी के नाम की दुस्ती राजस्व अभिलेख में करने वाले आदेश पारित कर दिये जाएंगे।

आज दिनांक 16-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता  
प्रथम वर्ग, ऊना, (हि० प्र०)।

ब अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, ऊना,  
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

वनीता कुमारी सुपुत्री श्री सोम नाथ, जात राजपूत, गांव व डा०  
भदसाली, तहसील व जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश प्राथिया।

वनाम

आम जनता

प्रतिवादीगण।

विषय.—राजस्व अभिलेख जमाबन्दी साल 1997-98, महाल  
भदसाली की खेवट नं० 46, शजरा नस्ब, मौजा भदसाली  
तथा मिसल हकीयत साल 1992-93 की खेवट नं० 48  
में आरती देवी के स्थान पर वनीता कुमारी के नाम  
की दुस्ती वारे।

नोटिस :

वनीता कुमारी सुपुत्री श्री सोम नाथ, जात राजपूत, गांव व  
डा० भदसाली, तहसील व जिला ऊना ने अदालत हजा में एक  
बरखास्त गुजार कर प्रार्थना की है कि राजस्व अभिलेख में उसके  
नाम आरती देवी का इन्द्राज चला आ रहा है जो कि गलत  
इन्द्राज हुआ है। प्राथिया ने प्रार्थना की है कि राजस्व अभिलेखों  
में आरती देवी के स्थान पर वनीता कुमारी नाम की दुस्ती  
करने वाले प्रार्थना की है।

इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण एवं आम जनता को  
सूचित किया जाता है कि प्राथिया वनीता कुमारी के नाम की  
दुस्ती राजस्व अभिलेखों में करने वाले किसी को कोई उजर/  
एतराज हो तो वह अदालत हजा में असालतन/वकालतन नोटिस  
के प्रकाशन होने के एक माह के भीतर-भीतर पेश कर सकता  
है। उपरोक्त नोटिस की प्रकाशन अवधि उपरान्त कोई भी उजर/  
एतराज मान्य न होगा और राजस्व अभिलेखों में प्राथिया  
वनीता कुमारी का नाम जहाँ कहीं भी गलत इन्द्राज हुआ होगा  
उसे मजिद कार्यवाही उपरान्त दुस्ती के आदेश पारित कर दिए  
जाएंगे।

आज दिनांक 30-1-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता  
प्रथम वर्ग, ऊना, जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, ऊना,  
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती वृज देवी पत्नी श्री दुलारी राम सहोड़ा, गांव व डा०  
रायपुर सहोड़ा, तहसील व जिला ऊना प्राथिया।

वनाम

आम जनता

प्रतिवादीगण।

विषय.—बरखास्त बावत दर्ज किए जाने इन्तकाल मकफूद-उल-  
खबरी बरासत सतनजीव उपनाम सतपाल सुपुत्री श्री राम रंभा

बहक वृज देवी, कान्ता देवी, तृप्ता देवी, विद्या देवी,  
विमला देवी, सावित्री देवी आदि, गांव व डा० रायपुर  
सहोड़ा, तहसील व जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

नोटिस :

प्राथिया श्रीमती वृज देवी पत्नी श्री दुलारी राम सहोड़ा, गांव  
व डा० रायपुर सहोड़ा, तहसील व जिला ऊना ने अदालत हजा  
में एक दरखास्त गुजार कर प्रार्थना की है कि सतनजीव उप-  
नाम सतपाल उसका देवर है और वह लगभग चालीस साल से  
लापता है। उसके जीवित या मरने वाले कुछ भी पता न है।  
इसके अतिरिक्त रिश्तेदार, साख सम्बन्धियों से भी पता किया  
परन्तु उसके बारे कुछ भी पता न चला है। प्राथिया ने प्रार्थना  
की है कि उसकी बरासत के हकदार प्राथिया खुद, कान्ता देवी,  
तृप्ता देवी, विद्या देवी, विमला देवी, सावित्री देवी वगैरा गांव  
व डा० रायपुर सहोड़ा, तहसील व जिला ऊना हैं। प्राथिया ने  
प्रार्थना की है कि सतनजीव उपनाम सतपाल की बरासत मकफूद-  
उल-खबरी इन्तकाल दर्ज करने उपरान्त बरासान के हक में इन्तकाल  
मन्जूर करने वाले प्रार्थना की है।

इस इशतहार के माध्यम से आम जनता व वाशिनदगान देह तथा  
रिश्तेदार सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि सतनजीव  
उपनाम सतपाल की बरासत का इन्तकाल मकफूद-उल-खबरी दर्ज  
करने वाले किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह असालतन/  
वकालतन अदालत हजा के नोटिस के प्रकाशन होने के एक माह के  
भीतर-भीतर उजर/एतराज पेश कर सकता है। समय अवधि नोटिस  
की गुजर जाने के उपरान्त कोई भी उजर/एतराज मान्य न होगा।  
लिहाजा मकफूद-उल-खबरी इन्तकाल दर्ज होने उपरान्त मन्जूर कर  
दिया जायेगा।

आज दिनांक 28-1-2004 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत  
द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता  
प्रथम वर्ग, ऊना, जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, ऊना,  
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

विषय.—इन्तकाल नम्बरान 304, 405 वै, व इन्तकाल नं०  
342, 344 को तस्दीक करने वाले।

नोटिस

वनाम

आम जनता व वासी कोटला कलां

इन्तकाल नं० 304, 405 वै व इन्तकाल नं० 342, 344  
तकसीम बहक रमेश, प्रकाश पुत्र श्रीमती हुकमी देवी पुत्री श्री  
चन्द व श्रीमती कौशल्या देवी बेवा संसार चन्द वाक्या मौजा  
कोटला कलां, तस्दीक किए जाने हैं।

इस इशतहार के माध्यम से आम जनता व वाशिनदगान देह तथा  
को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त इन्तकालों को तस्दीक  
करने में किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह असालतन या  
वकालतन पेश कर सकता है। उजर/एतराज, इशतहार के  
प्रकाशन होने की तिथि के एक माह के भीतर-भीतर मान्य होंगे।  
इसके उपरान्त कोई भी उजर/एतराज मान्य न होगा।

आज दिनांक -6-2003 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,  
ऊना, जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश।

व अदालत तहसीलदार एवं महायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, ऊना,  
जिला ऊना (हि० प्र०)

आज दिनांक 9-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
द्वारा जारी हुआ।

श्री बलदेव चन्द पुत्र नत्थू राम, वासी ऊना, जिला ऊना  
(हि० प्र०) प्रार्थी।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-  
तहसीलदार एवं महायक समाहर्ता प्रथम वर्ग  
ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

ग्राम जनता

प्रतिवादीगण।

विषय.—राजस्व अभिलेख में नाम की दुस्ती बारे।

व अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग, ऊना, जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश

कवल कृष्ण सहोड सुपुत्र स्वर्गीय श्री जगत राम सहोड, गांव  
व डाकघर रायेपुर महोडा, तहसील व जिला ऊना, हिमाचल  
प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

ग्राम जनता

प्रतिवादीगण।

विषय.—राजस्व अभिलेख में नाम की दुस्ती बारे प्रार्थना-पत्र।

नोटिस।

प्रार्थी बलदेव चन्द ने दिनांक 9-4-2002 को एक प्रार्थना-पत्र  
अदालत हजा में गुजार कर प्रार्थना की है कि खेवट नम्बर  
244, खतोनी नं० 413, रकबा 0-61-41, नकल जमाबन्दी साल  
1996-97, गांव जनकौर खास में उसके नाम बलदेव किशन  
का इन्द्राज हुआ है जो गलत इन्द्राज है। जबकि मिसल हकीयत  
बन्दोबस्त जदीद लानी/1999-2000 उप-मुहाल ऊना, महाल  
ऊना में प्रार्थी के नाम बलदेव चन्द के नाम का इन्द्राज दुस्स्त है।  
मिसल हकीयत के अनुसार जमाबन्दी 1996-97, गांव जनकौर  
खास में खाना मलकीयत में प्रार्थी ने अपने नाम दुस्ती बारे  
प्रार्थना की है।

इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण एवं ग्राम जनता व  
बशिनद्गान देह हजा को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के  
नाम राजस्व अभिलेख में दुस्ती बारे यदि किसी को उजर/एतराज  
हो तो वह प्रकाशन होने के एक माह के भीतर-भीतर पेश कर  
सकता है। यदि उपरोक्त अवधि में किसी की ओर से कोई  
उजर/एतराज प्राप्त नहीं होता तो मजबूत कार्यवाही उपरान्त  
प्रार्थी के नाम की दुस्ती बारे आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 9-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से  
जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-

सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,  
ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, ऊना,  
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

सुरेण कुमार पुत्र भगत राम, जात ब्रह्ममण, वासी अजीली,  
तहसील व जिला ऊना सायल।

बनाम

दाता राम, राम लाल, विद्याधर, पिसरान मिलखी राम, वासी  
नगडा, तहसील व जिला ऊना मौसूल अलम।

विषय.—दरखास्त व मुराद किये जाने खाता तकसीम  
भूमि 0-62-50, खेवट नं० 195, खतोनी नं० 385,  
खसरा कित्ता 4, मुताबिक नकल जमाबन्दी 1997-98,  
बाक्या उप-मुहाल नगडा शिकलर, तहसील व जिला  
ऊना, हिमाचल प्रदेश।

नोटिस।

इस इशतहार के माध्यम से मौसूल अलम दाता राम,  
राम लाल, विद्याधर को सूचित किया जाता है कि बतौर प्रतिवादीगण  
बजरिया समन/मुक्ती मुनादी तल्बी को गई थी। परन्तु वह अदालत  
में हाजर न आये। लिहाजा इस नोटिस के प्रकाशन होने के एक  
माह के भीतर-भीतर अदालत हजा में असालतन/वकालतन हाजर  
न आये तो जेरे समायत दावा तकसीम में एकतरफी कार्यवाही  
अमल में लाई जाकर तकसीम बारे मजबूत कार्यवाही अमल में  
लाई जायेगी।

आज दिनांक 9-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत  
द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-

तहसीलदार एवं महायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,  
ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री एच० एस० भाटा, तहसीलदार एवं कार्यकारी  
दण्डाधिकारी ऊना, जिला ऊना (हि० प्र०)

मुकद्मा : मृत्यु तिथि प्रमाण-पत्र।

तिलक राज

बनाम

ग्राम जनता।

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम,  
1969.

नोटिस बनाम ग्राम जनता।

श्री तिलक राज पुत्र श्री रखा राम, निवासी गांव जनता टब्बा,  
तहसील व जिला ऊना ने इस न्यायालय में दरखास्त गुजारी है कि  
उसके मामा श्री तेलू राम पुत्र श्री गोन्दा की मृत्यु तिथि किसी  
कारणवश ग्राम पंचायत के मृत्यु रजिस्टर में दर्ज न करवाई जा  
सकी है जो कि अब दर्ज करवाई जाए। प्रार्थी ने मृतक की मृत्यु  
तिथि 28-5-1973 बताई है तथा मृत्यु का स्थान गांव जनता टब्बा  
बताया है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त ग्राम जनता को तथा  
सम्बन्धित रिस्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को

उक्त मृतक की मृत्यु तिथि दर्ज होने वाले कोई आपत्ति एवं उजर हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन होने के उपरान्त एक माह के भीतर-भीतर असातन या वकालतन इस अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर प्रार्थी द्वारा बनाई गई मृत्यु तिथि दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिये जाएंगे तथा बाद में कोई भी उजर काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 13-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय द्वारा जारी हुआ।

मोहर। एच० एस० भाटा,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री एच० एस० भाटा, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ऊना, तहसील व जिला ऊना (हि० प्र०)

मुकद्दमा : मृत्यु तिथि प्रमाण-पत्र बारे।

रतनी देवी बन.म ग्राम जनता

दख्खास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस अनाम ग्राम जनता।

श्रीमती रतनी देवी पत्नी श्री हरी राम, निवासी गांव ऊना, मुहल्ला वेहली, तहसील व जिला ऊना ने इस अदालत में एक दख्खास्त गुजारी है कि उसकी सास श्रीमती कौला देवी पत्नी बसन्त राम की मृत्यु किसी कारणवश नगरपालिका ऊना के मृत्यु रजिस्टर में दर्ज न करवाई जा सकी है जोकि अब दर्ज करवाई जाये। प्रार्थिया ने मृतक की मृत्यु तिथि 30-12-1995 बताई है तथा मृत्यु न्याय ऊना, मुहल्ला वेहली बताया है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता ग्राम को तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उसका मृतक का मृत्यु तिथि दर्ज होने में कोई उजर हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन होने के उपरान्त एक माह के अन्दर-अन्दर असातन या वकालतन इस अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर प्रार्थिया द्वारा बनाई गई मृत्यु तिथि दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिये जाएंगे तथा बाद में कोई भी उजर काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 13-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर। एच० एस० भाटा,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ऊना, जिला ऊना (हि० प्र०)।

व अदालत तहसीलदार एवं भू-सुधार अधिकारी, ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

राये सिंह पुत्र गोगल सिंह, वासी गांव पन्जावर, तहसील व जिला ऊना

बनाम

सर्वश्री राम प्रकाश, गौरी शंकर, जोग राज, राम दुलार, राम रूप पुत्र हरिकिशन दियाल पुत्र छगनिया, उप-मुहल्ला चौखयाल, मुहल्ला बहडाला, तहसील व जिला ऊना गैरमीरूसी।

विषय.—तस्दीक इन्तकाल नं० 373, तबदील मलकीयत जेर धारा 104(3) काश्तकारी एवं भू-सुधार अधिनियम 1972.

नोटिस।

इस इश्तहार के माध्यम से मालकान एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इन्तकाल नं० 373, तबदील मलकीयत जेर

धारा 104(3) काश्तकारी एवं भू-सुधार अधिनियम, 1972 के तहत वाक्या उप-मुहल्ला चौखयाल, मुहल्ला बहडाला, तहसील व जिला ऊना दर्ज है परन्तु मालकान की अनुपस्थिति के कारण गैर मीरूसियों के पक्ष में दर्ज हुआ है जिसे कि तस्दीक उपरान्त इन्तकाल को मन्जूर किया जाना है।

लिहाजा यदि मालकान को या अन्य व्यक्ति को उपरोक्त इन्तकाल तस्दीक बहक गैरमीरूसी तस्दीक करने वाले कोई आपत्ति एवं उजर/एतराज हो तो वह अदालत इजा में असातन/वकालतन नोटिस के प्रकाशन होने के एक माह के भीतर-भीतर पेश कर सकता है। यदि प्रकाशन होने की उपरोक्त अवधि के भीतर-भीतर कोई उजर/एतराज प्राप्त नहीं होता तो इन्तकाल मालकान की अनुपस्थिति में तस्दीक करके मन्जूर कर दिया जाएगा। समय अवधि उपरान्त कोई भी उजर/एतराज मान्य न होगा।

आज दिनांक 29-1-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षर/-  
तहसीलदार एवं भू-सुधार अधिकारी,  
ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री जगदीश जग्गी, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

श्री राजू राम पुत्र श्री नेक राम, निवासी कुम्हारडा, उप-तहसील धर्मपुर।

बनाम

ग्राम जनता

उनुवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र दुस्ती नाम।

प्रार्थी श्री राजू राम पुत्र श्री नेक राम, निवासी कुम्हारडा, उप-तहसील धर्मपुर, जिला मण्डी ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका नाम राजस्व अभिलेख में राज कुमार उप-नाम बरलाजु है, जो गलत है। जबकि प्रार्थी का नाम राजू राम पुत्र श्री नेक राम है। पुष्टि हेतु प्रार्थी ने नकल परिवार रजिस्टर, नकल जमाबन्दी व स्कूल प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति पेश की है।

अतः इस इश्तहार द्वारा हर ग्राम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त नाम दुस्स्त करने वाले कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को असातन या वकालतन अपना एतराज इस अदालत में पेश कर सकता है। इसके बाद कोई एतराज नहीं सुना जाएगा और प्रार्थना-पत्र का निपटारा नियमानुसार कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 19-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। जगदीश जग्गी  
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

व अदालत श्री जगदीश जग्गी, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

श्री गंगा राम उप-नाम हलकु पुत्र श्री दोला, निवासी बनेरडी, उप-तहसील धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

ग्राम जनता

उनुवान मुकद्दमा : प्रार्थना-पत्र दुस्ती नाम।

प्राथी श्री गंगा राम उप-नाम हल्कु, निवासी वनेरडी, उप-तहसील धर्मपुर, जिला मण्डी ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका नाम राजस्व अभिलेख में गंगा राम दर्ज है, जो गलत है। जबकि प्राथी का नाम गंगा राम उर्फ हल्कु है। पुष्टि हेतु प्राथी ने नकल परिवार रजिस्टर, नकल जमाबन्दी व स्कूल प्रमाण-पत्र पेश किया है।

अतः इस इशतहार द्वारा हर ग्राम व खाम को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त नाम दुस्त करने बारे कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 25-3-2004 को अमालतन या वकालतन अपना एतराज इस अदालत में पेश कर सकता है। इसके बाद कोई उजर व एतराज नहीं सुना जाएगा और प्रार्थना-पत्र का निपटारा नियमानुसार कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 26-2-2004 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदानत से जारी हुआ।

मोहर।

जगदीश जग्गी,  
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

Himachal Pradesh Financial Corporation, New Himrus  
Building, Circular Road, Shimla-171 001

### NOTICE

Shimla-171001, the 11th March, 2004

**No. HPFC/37th AGM.**—In pursuance of Regulation 24 of the Himachal Pradesh Financial Corporation's General Regulations, it is hereby notified that the Thirty Seventh Annual General Meeting of the Shareholders of the Himachal Pradesh Financial Corporation will be held in Committee Room, Ellerslie Building in H. P. Secretariat, Shimla-171002 on Friday the 30th July, 2004 at 11.00 A. M. to transact the following business :—

“To read and consider the Balance Sheet and the Profit and Loss Account of the Corporation for the year ending 31st March, 2004 together with the report of the Board of Directors on the working of the Corporation throughout the year and the auditor's report on the said Balance Sheet and Accounts”.

It is also notified that the Share Register of the Corporation will remain closed and the registration of transfer of shares suspended from 28th June, 2004 to 29th July, 2004 (both days inclusive).

Note :—

1. The last date for deposit of proxies shall be 22nd July, 2004.
2. The last date for deposit of certified copies of resolution appointing duly authorised representatives shall be 24th July, 2004.
3. The written order of the State Government authorising any of its Officers to act as its representative at the meeting to be deposited at the Head Office of the Corporation before 30th July, 2004 at 11.00 A. M.

Shimla-171 001, the 11th March, 2004

**No. HPFC/SGM/2004.**—In pursuance of Regulation 23 read with Regulation 37 of the Himachal Pradesh Financial Corporation General Regulations, it is hereby notified that the Special General Meeting of the shareholders of the Himachal Pradesh Financial Corporation will be held in the Chamber of the Chairman (Chief Secretary to the Government of Himachal Pradesh) of the Corporation in H. P. Secretariat, Shimla-171 002 on Monday the 19th April, 2004 at 11.00 A. M. to transact the following business :—

- (i) To elect two directors representing the parties mentioned in the clause (e) of Section 10

of the State Financial Corporations (Amendment) Act, 2000 to be elected by the shareholders as referred in clause (d) of sub-section (3) of section 4 of the said Act *ibid*.

- (ii) To appoint statutory auditors of the Corporation for the year 2003-2004 out of the panel suggested/to be suggested by Reserve Bank of India.

It is also mentioned that the share register of the Corporation will remain closed and the registration of transfer of shares suspended from 18th March, 2004 to 17th April, 2004 (both days inclusive).

Notes :—

1. The list of shareholders shall be available for purchase from the Head Office of the Corporation at a price of Re. 1/- (Rupee one only) per copy from 22nd March, 2004.
2. The last date of receipt of nomination for election of directors shall be 2nd April, 2004.
3. The last date for deposit of proxies shall be 8th April, 2004.
4. The last date for deposit of certified copies of resolution appointing duly authorised representative by Companies and Co-operative Banks shall be 13th April, 2004.
5. The written order of the State Government authorising any of its officers to act as its representative at the meeting to be deposited at the Head Office of the Corporation before 19th April, 2004 at 11.00 A. M.

By order of the Board,  
Sd/-  
Managing Director.

इशतहार जेर आर्डर-5, रूल 20 सी0 पी0 सी0

व अदालत श्री उदय सिंह नेगी, नायब तहसीलदार वा अख्तियार द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील ननखड़ी, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

विषय.—मिसल तकसीम मोजा चवडी, उप तहसील ननखड़ी, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

मंगत राम बनाम हिरा सिंह आदि  
बनाम

मु0 रामकू पुत्री देवकी हाल पत्नी राजू, साकना रमटेडो, उप-तहसील टिककर, जिला शिमला।

दोराने तहकीकात उपरोक्त मिसल से यह ज्ञात होना है कि मु0 रामकू पत्नी राजू साकना रमटेडो. उप-तहसील टिककर को समन तामिल नहीं हो पा रहे हैं और न ही इस दोरान उक्त व्यक्ति का किसी व्यक्ति से पत्राचार हुआ है। जिससे उक्त रामकू फरीक दोयम का पता ज्ञात हो सके। अतः इस अदालत को यह यकीन हो गया है कि मु0 रामकू मंजकूर पर सामान्य ढंग से समन की तामील सम्भव नहीं है। इसलिए इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त तकसीम के बारे कोई उजर व एतराज हो तो दिनांक 25-3-2004 को अमालतन व वकालतन इस कार्यालय में प्रातः 10.00 बजे हाजिर आएं। हाजिर न आने की सूत्र में कार्यवाही एक तरफा जमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 4-3-2004 को हमारे मोहर व हस्ताक्षर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।  
उदय सिंह नेगी,  
नायब तहसीलदार वा अख्तियार द्वितीय श्रेणी,  
उप-तहसील ननखड़ी, जिला शिमला,  
हिमाचल प्रदेश।

## भाग 6--भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुन प्रकाशन

-शून्य-

## भाग 7--भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं

-शून्य-

## अनुपूरक

-शून्य-

## भाग-1

## राजस्व विभाग

## अधिसूचना

शिमला-2, 2 मार्च, 2004

संख्या रेव0-बी0 एफ0(10)-4/2004.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश भू-जोत अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 की धारा 5 के खण्ड (ज) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचित करते हैं कि तहसील नालागढ़, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश में मै0 वर्धमान पोलीटेक्स लिमिटेड चण्डीगढ़ रोड लुधियाना द्वारा वास्तविक औद्योगिक उपयोग के लिए धारित या अर्जित की जाने वाली भूमि को हिमाचल प्रदेश भू-जोत अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 के उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट दी जाएगी। तथाकथित कम्पनी द्वारा इस प्रकार धारित की जाने वाली और उपयुक्त अधिनियम के उपबन्धों के प्रवर्तन के लिए अधिसूचित की जाने वाली भूमि का विवरण निम्नलिखित प्रकार से है :—

मै0 वर्धमान पोलीटेक्स लिमिटेड द्वारा हिमाचल प्रदेश मुजोरितय एवं भू-सुधार अधिनियम, 1972 की धारा 118 के अन्तर्गत धारित की जाने वाली भूमि :—

गांव/भोजा	खसरा नं०	क्षेत्र	प्रयोजन
1	2	बीघा बिस्वा	3
नंगल निहला व 84		1 17	गर्म व सूती वस्त्र
नंगल उपरला, 798/83		1 05	तैयार करने की
नहनाल 803/89		0 19	औद्योगिक इकाई
नालागढ़, 79		1 14	हेतु।
जिला सोलन। 82		2 08	
797/83		1 00	
804/9		1 17	
802/89		1 17	
53		0 04	
53/1		5 10	
128		3 06	
128/1		0 19	
65		2 07	
711/112		0 06	
68		1 04	
69		2 07	
71		0 10	
851		4 05	
853		2 01	
121		3 01	
129		1 11	
134		0 14	
130		2 05	
132		0 02	
468		0 19	
469		0 14	

1	2	3	4
470		2	09
471		1	15
474		1	02
452		4	12
453		0	09
454		0	11
455		1	19
467		2	01
1013/852		1	01
450		3	10
994/451		1	17
1014/852		3	08
993/451		0	10
119		0	03
767/138		1	17
761/118		3	17
759/56		1	08
764/137		2	14
117		2	01
762/118		2	01
136		0	18
768/138		1	15
760/56		1	09
765/137		1	18
57		4	01
59		0	06
60		4	03
61		1	02
131		0	16
54		1	08
70		2	16
73		3	02
124		2	15
127		6	13
50		0	16
51		1	13
635		2	14
638		0	06
646		14	12
640		7	10
41		5	16
120. 25		3	15
23, 24		0	13
456		0	07
457		0	05
458		0	06
459		1	15
460		2	01
461		0	07
462		0	18
463		0	16



1	2	3	4	5
464		0	07	
466		0	16	
632, 634, 636		10	13	
43		2	07	
47		1	03	
45		5	12	
116		2	15	
117/1		0	12	
44		1	17	
81		2	13	
95		4	04	
645		2	06	
641		1	00	
642		0	14	
643		0	17	
644		1	03	
122		3	04	
74		0	10	
75		2	05	
77		1	02	
62		2	07	
64		1	14	
63/2		1	14	
63/1		3	03	
125		1	03	
766/138		1	16	
763/137		8	04	
135		2	09	
42		3	10	
योग		233	19	

## Polytex Ltd. for Industrial use :-

Village	Khasra No.	AREA		Purpose
		Bigha	Biswa	
1	2	3	4	5
Nangal	84	1	17	Manufacturing
Nila or	798/83	1	05	Cotton and
Upper	803/89	0	19	Blended Yarns
Nangal,	79	1	14	and Garments.
Tehsil				
Nalagarh.	82	2	08	
District	797/83	1	00	
Solan, H.P.	804/9	1	17	
	802/89	1	17	
	53	0	04	
	53/1	5	10	
	128	3	06	
	128/1	0	19	
	65	2	07	
	711/112	0	06	
	68	1	04	
	69	2	07	
	71	0	10	
	851	4	05	
	853	2	01	
	121	3	01	
	129	1	11	
	134	0	14	
	130	2	05	
	132	0	02	
	468	0	19	
	469	0	14	
	470	2	09	
	471	1	15	
	474	1	02	
	452	4	12	
	453	0	09	
	454	0	11	
	455	1	19	
	467	2	01	
	1013/852	1	01	
	450	3	10	
	994/451	1	17	
	1014/852	3	08	
	993/451	0	10	
	119	0	03	
	767/138	1	17	
	761/118	3	17	
	759/56	1	08	
	764/137	2	14	
	117	2	01	
	762/118	2	01	
	136	0	18	
	768/138	1	15	
	760/56	1	09	
	765/137	1	18	
	57	4	01	
	59	0	06	
	60	4	03	
	61	1	02	
	131	0	16	
	54	1	08	
	70	2	16	
	73	3	02	
	124	2	15	
	127	6	13	
	50	0	16	
	51	1	13	

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
वित्तायुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. Rev. B. F. (10)4/2004, dated 2-3-2004, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## REVENUE DEPARTMENT

## NOTIFICATION

Shimla-2, the 2nd March, 2004

No. Rev. B. F. (10) 4/2004.—In exercise of the powers conferred by clause (h) of section 5 of the Himachal Pradesh Ceiling on Land Holdings Act, 1972, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to notify that the land to be held or required by M/s Vardhman Polytex Ltd., Chandigarh road Ludhiana, located in Tehsil Nalagarh, District Solan, Himachal Pradesh for bonafide industrial use shall be exempted from the operation of the provisions of Himachal Pradesh Ceiling on Land Holdings Act, 1972. The details of the land to be acquired by the said Company and notified to be exempted from the operation of the provisions of the Act *ibid* are given as under :-

Details of Land to be acquired u/s 118 of H.P. Tenancy and Land Reform Act, 1972 by M/s Vardhman

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
						95		4	04
635		2	14			645		2	06
638		0	06			641		1	00
646		14	12			642		0	14
640		7	10			643		0	17
41		5	16			644		1	03
120, 25		3	15			122		3	04
23, 24		0	13			74		0	10
456		0	07			75		2	05
457		0	05			77		1	02
458		0	06			62		2	07
459		1	15			64		1	14
460		2	01			63/2		1	14
461		0	07			63/1		3	03
462		0	18			125		1	03
463		0	16			766/138		1	16
464		0	07			763/137		8	04
466		0	16			135		2	09
632, 634, 636	10	13				42		3	10
43		2	07						
47		1	03						
45		5	12						
116		2	15						
117/1		0	12						
44		1	17						
81		2	13						
					Total ..		233	19	

By order,

Sd/-

F. C.-cum-Secretary.